Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 33 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने दी दस्तक, शीतलहर का अलर्ट

नईदिल्ली। देश में इन दिनों मौसम के रंग देखने को मिल रहे हैं। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के कारण पानी जमने लगा है, वहीं उत्तर भारत में कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दूसरी तरफ दक्षिण भारत में चक्रवात दितवाह के कारण बारिश का दौर जारी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान समेत 10 राज्यों में शीतलहर की स्थिति बनने के अनुमान जताया है, जिससे तापमान में तेजी से गिरावट आ सकती है। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला पड़ने से न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। बुधवार (3 दिसंबर) को कई जिलों में रात को पारा 5 डिग्री से नीचे गिरने की संभावना है। मैदानी हिस्सों में बारिश और ऊंचाई पर बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। केदारनाथ में मंगलवार को पारा माइनस 19 और बद्रीनाथ में माइनस 14 डिग्री दर्ज किया गया। इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश के शिमला और मनाली में भारी बर्फबारी की चेतावनी दी है।

दिल्ली समेत कई हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली गड़बड़ क्यों हुई थी

नईदिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई हवाई अड्डों को मंगलवार देर शाम को चेक-इन प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, जिससे कई उड़ानें प्रभावित हुई। एयर इंडिया समेत कई अन्य एयरलाइंस की चेक-इन प्रणाली में समस्या के कारण करीब एक से डेढ़ घंटे तक विमान उड़ान नहीं भर सके। हालांकि, बाद में इसको ठीक कर लिया गया। एयर इंडिया ने सूचना दी कि थर्ड-पार्टी सिस्टम में आई तकनीकी बाधा के कारण समस्या हुई थी। एयर इंडिया ने रात 9:49 बजे एक्स पर बताया कि थर्ड-पार्टी सिस्टम में रुकावट की वजह से अलग-अलग एयरपोर्ट पर चेक-इन सिस्टम पर असर पड़ा है, जिससे एयर इंडिया समेत कई एयरलाइनों की फ्लाइट में देरी हो रही है। इसके बाद रात 10:41 बजे एयर इंडिया ने बताया कि थर्ड-पार्टी सिस्टम पूरी तरह से ठीक हो गया है और सभी एयरपोर्ट पर चेक-इन नॉर्मल तरीके से काम कर रहा है। सभी फ्लाइट्स शेड्यूल के हिसाब से चल रही हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए बयान से छिड़ा विवाद

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की 3 करोड़ हिंदू देवी-देवताओं, यानी हर अवसर के लिए एक भगवान को लेकर की गई टिप्पणी ने नया राजनीतिक विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के भीतर विविध विचारों और नेतृत्व चयन पर जारी चर्चाओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। हालांकि, उनकी इस विवादास्पद टिप्पणी की विपक्षी भाजपा और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तीखी निंदा की है। आइए पूरा मामला जानते हैं। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कार्यकारिणी की बैठक में कहा, कांग्रेस हर तरह के लोगों को साथ लेकर चलती है। एक कहता है कि वह भगवान वेंकटेश्वर की पूजा करेगा।

प्रदूषण,रुपये की गिरावट,पान मसाला उपकर

दिल्ली वायु प्रदूषण को लेकर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन...

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन था। आज चौथे दिन दोनों ही सदनों में सामान्य कामकाज देखने को मिला। हालांकि प्रदूषण को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष की ओर से शोर जरूर किया गया। वहीं, विपक्ष के सांसदों ने वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन भी किया। दूसरी ओर विपक्ष रुपए की कीमत में लगातार गिरावट को भी मुद्दा बनाने की कोशिश करता रहा। कई विपक्षी सांसदों ने वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की लोकसभा में मांग की। राज्यसभा में डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा उठा और इसको लेकर राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की गई। वहीं, सरकार ने कहा कि देश में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफसे जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पान मसाला पर उपकर लगाने वाले विधेयक को 'इंस्पेक्टर राज' की वापसी करने वाला कदम करार दिया और कहा कि इसे प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से

स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों हितों को साधा गया है। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि टोल संग्रह की मौजूदा प्रणाली एक साल के भीतर समाप्त हो जाएगी और इसकी जगह एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली लेगी, जो राजमार्ग से गुजरने वालों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगी।भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की बृहस्पतिवार को मांग करते हुए कहा कि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने देश में कोचिंग प्रणाली पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को सरकार से मांग की कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट की पूरी तरह समीक्षा की जाए।

मस्जिदों, मदरसों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं : अरुण गोविल

नयी दिल्ली. भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की बृहस्पतिवार को मांग करते हुए कहा कि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है. उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके हैं. गोविल ने कहा कि ये कैमरे पारर्दिशता, सुरक्षा और अपराध निरोध में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं, लेकिन मस्जिदों और मदरसों में अब भी यह व्यवस्था लागू नहीं है जबकि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है.

मिजोरम के रह चुके हैं राज्यपाल

बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल का निधन

नयी दिल्ली. पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज के पति एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल तथा वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का बृहस्पतिवार को यहां निधन हो गया. वह 73 वर्ष के थे. दिल्ली भाजपा ने एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी. सुषमा स्वराज और स्वराज कौशल की इकलौती संतान बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से सांसद हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने के लिए उन्हें याद किया.मोदी ने 'एक्स'

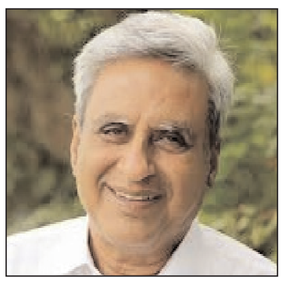

पर पोस्ट किया,श्री स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं. उन्होंने खुद को एक वकील और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने में विश्वास करते थे.

हैदराबाद के सिकंदराबाद में अग्निवीरों ने पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मनाया.

मोदी इसका पालन नहीं कर रहे हैं

विदेशी मेहमानों से नेता प्रतिपक्ष को नहीं मिलने दिया जा रहा है

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को दावा किया कि विदेशी मेहमानों से विपक्षी नेता के मिलने की परंपरा रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका पालन नहीं कर रहे हैं जिससे उनकी असुरक्षा की भावना जाहिर होती है।उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे (राहुल से) मुलाकात नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा,

''आमतौर पर यह परंपरा रही है कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय होता था और मनमोहन सिह जी के समय भी होता था।आजकल यह होता है कि जब बाहर से कोई आता है या मैं कहीं बाहर जाता हूं ।

सीएम ममता का दावा

एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में सबसे ज्यादा हिंदू

ब्रह्मपुर/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को एसआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया कि देशभर में इस कवायद से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में आधे से ज्यादा लोग हिंदू हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा को आगाह करते हुए कहा कि वह उसी डाल को काट रही है जिस पर बैठी है।बनर्जी ने अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले धार्मिक राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने यह भी दोहराया कि वह बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) या निरुद्ध केंद्र की इजाजत कभी नहीं देगी चाहे, उनकी गर्दन ही क्यों न काट दी जाए।उन्होंने कहा, भाजपा विशेष गहन पुनरीक्षण पर धार्मिक राजनीति कर रही है। एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में जिन लोगों की मौत हुई उनमें आधे से ज्यादा हिंदू थे। जिस शाखा पर बैठे हो उसे मत काटो। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने ऐलान किया, मैं, बंगाल में एनआरसी या निरुद्ध केंद्र की इजाजत नहीं दूंगी। मेरी गर्दन भी क्यों न काट दी जाए, किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा। बनर्जी ने कहा, वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा।अल्पसंख्यकों की सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी है। बनर्जी ने भ्रामक सूचनाओं के प्रसार की साज़िश्ह को लेकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ समूह भूमि अभिलेखों में धार्मिक संपत्तियों को मस्जिद या कब्रगाह के रूप में दर्ज किए जाने को लेकर झूठ फैलाने में लगे हैं।

पाकिस्तानी जासूस बने गुरूग्राम के वकील ने पंजाब से जुटाए थे पैसे, 7 बार गया अमृतसर

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरूग्राम में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार वकील रिजवान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आरोपी के पास 2 बैंक खाते थे और वह पंजाब से फंडिंग जुटा रहा है। उसने पैसे लेने के लिए 7 बार अमृतसर की यात्रा की थी। यह जानकारी उसके मित्र मुशर्रफ उर्फ परवेज ने जांच एजेंसियों को दी है। परवेज को पहले हिरासत में लिया गया था। परवेज ने बताया कि उसकी रिजवान के साथ 2022 में सोहना कोर्ट में इंटनर्शिप के दौरान दोस्ती हुई थी। परवेज ने बताया कि वह रिजवान से मिलता रहता था।

विधायकों से भी ऐसा करने के लिए कहा

नीतीश ने बिहार विधानसभा में प्रधानमंत्री की तारीफ की

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सरकार को मिल रहे सहयोग का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने राज्य विधानसभा के सदस्यों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए हाथ उठाएं। उन्होंने राज्यपाल द्वारा दोनों सदनों के संयुक्त अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान यह बात कही। लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड बना चुके कुमार ने अपने पिछले 20 वर्षह्व के शासनकाल में राज्य के सर्वांगीण

विकास के लिए किए गए प्रयासों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने 20 मिनट के भाषण के अंत में उन्होंने कहा, राज्य के विकास के लिए हमें केंद्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। जुलाई 2024 में पेश किए गए बजट में केंद्र ने सड़कों, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण को लेकर विशेष वित्तीय सहायता दी। उन्होंने कहा, इसके बाद फ्ऱवरी 2025 में पेश किए गए बजट में मखाना बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया, साथ ही हवाई अड्डे बनाने और पश्चिम कोसी नहर परियोजना के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की गई। इसी साल बिहार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला। मुख्यमंत्री ने कहा, इन सभी चीजों के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सलाम करता हूं। मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे हाथ उठाकर ऐसा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कई बार बिहार आए हैं और कई परियोजनाओं की शुरूआत की है।

दीक्षांत समारोह में पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा

एक राष्ट्र,एक चुनाव को भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी

बिलासपुर/ संवाददाता

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा को लागू करना देश के विकास के लिए परिवर्तनकारी साबित होगा. देश में एक साथ चुनाव को लेकर केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष रहे कोविंद आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले रायपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे. इस दौरान कोविंद ने जोर देकर कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने से प्रशासनिक संसाधन बचेंगे और शिक्षा व्यवस्था में बार-बार होने वाली रुकावटों को रोका जा सकेगा. देश में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है, जिसके बाद सरकार ने 2024 में लोकसभा में दो संबंधित विधेयक पेश किए. उन्होंने कहा कि दोनों विधेयक अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिए गए हैं, जो उनकी जांच कर रही है. कोविंद ने कहा कि हर साल राज्यों में बार-बार होने वाले चुनाव प्रशासनिक संसाधन, खासकर शिक्षकों पर भारी बोझ डालते हैं. उन्होंने कहा, मैं मीडिया के ज.रिए अपने देशवासियों को बताना चाहता हूं कि अगर यह अवधारणा (एक राष्ट्र, एक चुनाव) देश में लाई जाती है, तो यह परिवर्तनकारी साबित होगी. भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी होगी.ह्व कोविंद ने कहा, मौजूदा चुनाव व्यवस्था में, हर साल पूरे भारत में चार या पांच

राज्यों में चुनाव होते हैं, और पूरा प्रशासनिक तंत्र इसमें लग जाता है. इससे खासकर बच्चों की पढ़ाई को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि शिक्षक चुनाव के काम में लगे रहते हैं. ज.ाहिर है, अगर वे इन सब चीजों में लगे रहते हैं, तो वे पढ़ाने के लिए समय नहीं दे पाते हैं. उन्होंने कहा कि यह अवधारणा देश के विकास और भविष्य के लिए एक बड़ी पहल है.पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों के साथ समिति की बातचीत के दौरान, यह देखा गया कि देशवासी इस अवधारणा को अपनाने के लिए तैयार हैं. बाद में, बिलासपुर में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलते हुए, उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहते हुए तेजी से बदलती दुनिया के साथ आगे बढ़ें. उन्होंने कहा कि आज भारत योग के लिए विश्व में गुरु है. उन्होंने छात्रों से स्वस्थ शरीर और दिमाग के लिए योग और व्यायाम अपनाने की अपील की. कोविंद ने विद्यार्थियों से जरूरतमंदों की मदद करने की भी अपील की, इसे देश बनाने में एक अहम योगदान बताया.पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, हमारे देश की बेटियां बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं. यहां, लड़कियों ने आज 52 गोल्ड मेडल जीते हैं, जबकि लड़कों को सिर्फ 14 मेडल मिले हैं. प्रतिशत के हिसाब से, लड़कियों ने 78 फीसदी गोल्ड मेडल जीते. कुछ छात्राओं को कई गोल्ड मेडल मिले,

कोविंद ने छात्रों को अपने ज्ञान और हुनर को बेहतर करते रहने के लिए कहा

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आत्मकथा पूरी हो गई है और अगले साल फ्ऱवरी में छपने वाली है, जिसमें एक छोटे से गांव से भारत के सबसे ऊंचे पद तक के उनके सफ्ऱ को बताया गया है.कोविंद ने छात्रों को अपने ज्ञान और हुनर को बेहतर करते रहने के लिए कहा. उन्होंने इस दौरान स्व-प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सकारात्मक सोच पर ज.ोर दिया. इस दौरान राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा भी मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

रेवंत रेड्डी को सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा पढ़नी चाहिए : अरुण गुप्ता

राजनांदगांव। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों को लेकर विश्व हिंदू परिषद के छत्तीसगढ़ विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रमुख अरुण कुमार गुप्ता ने कड़ा विरोध जताया है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेड्डी मानसिक रूप से दिवालियापन की स्थिति में पहुँच चुके हैं और राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू समाज की आस्था से जुड़े देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। अरुण गुप्ता ने कहा कि जिन हिंदुओं के वोट से रेवंत रेड्डी सत्ता में आए, उन्हीं की भावनाओं को आहत करने वाले बयान देना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का हनुमान जी पर दिया गया वक्तव्य घोर आपत्तिजनक है और यह साफ दर्शाता है कि उन्हें सनातन धर्म का ज्ञान नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए बिना सिर-पैर के बयान दे रहे हैं। गुप्ता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री जनता की आस्था का सम्मान नहीं करेंगे, तो हिंदू समाज उनका कड़ा प्रतिकार करने में पीछे नहीं हटेगा। अरुण गुप्ता ने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे अपनी बुद्धि और विवेक को शांत व सकारात्मक बनाने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें। उन्होंने कहा कि हनुमान जी बल, बुद्धि और विद्या के दाता हैं और यदि रेवंत रेड्डी अपने बयान पर माफी मांग लें, तो उनके पाप क्षम्य हो सकते हैं। अन्यथा, उन्होंने आशंका जताई कि उनका राजनीतिक पतन निश्चित है।

पोड़ीशंकर में रात्रि चौपाल : हितग्राहियों से सीधा संवाद, आवास निर्माण में तेजी पर जोर

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ीशंकर में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे द्वारा हितग्राहियों से सीधे संवाद स्थापित किया गया और उन्हें आवास निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण दिशानिर्देश प्रदान किए गए। चौपाल के दौरान सीईओ श्री गोकुल रावटे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राहियों को आवास निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने व निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के लिए प्रेरित किया गया। निर्माण के विभिन्न चरणों की प्रक्रिया, किस्तों के वितरण और मनरेगा मजदूरी भुगतान की जानकारी भी विस्तार से दी गई। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के साथ-साथ मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार एवं भुगतान दोनों उपलब्ध हैं, जिसका पूर्ण लाभ सभी हितग्राही लें। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को मजबूत, सुरक्षित एवं स्थायी आवास प्रदान करना है। चौपाल में हितग्राहियों के प्रश्न सुने गए तथा आवास स्वीकृति, भुगतान, निर्माण सामग्री व शासकीय प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। रात्रि चौपाल ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने, समस्याओं के निराकरण तथा आवास निर्माण में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रज्ञा यादव, विकासखंड समन्वयक, तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

निधन : श्रीमती निर्मला अग्रवाल

दुर्ग। मुक्तनगर निवासी आदर्श कन्या विद्यालय की अवकाशप्राप्त प्रधानपाठिका श्रीमती निर्मला अग्रवाल का गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को 12 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे हाकी खिलाड़ी आलोक और अंशु की माताजी थीं

महतारी वंदन योजना में पुनः आवेदन शुरू करे सरकार: महिलाओं के साथ हो रहा भेदभाव - मोक्ष कुमार प्रधान

बसना (समय दर्शन)। जिला पंचायत सदस्य एवं कांग्रेस के सक्रिय नेता मोक्ष कुमार प्रधान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ,प्रदेश की भाजपा सरकार ने महतारी वंदन योजना को लेकर अभी तक स्पष्ट और समान व्यवस्था नहीं बनाई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में महिलाओं—विशेषकर गरीब और ग्रामीण परिवारों—को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कुछ महीने पहले केवल एक संभाग में ही नए आवेदन भरवाए, जबकि प्रदेश के अन्य संभागों में आज तक नए आवेदन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। 卐जब योजना पूरे छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए है, तो आवेदन भी पूरे प्रदेश में एकसमान रूप से होने चाहिए। सरकार की यह व्यवस्था महिलाओं के साथ स्पष्ट भेदभाव है।卐

मोक्ष कुमार प्रधान ने बताया कि बीते दो वर्षों में हजारों गरीब परिवारों में शादियाँ हुई हैं। भाजपा सरकार की गाइडलाइन के अनुसार शादीशुदा महिलाएँ महतारी वंदन योजना की पात्र हैं, लेकिन चूंकि सरकार ने अब तक नए आवेदन शुरू नहीं किए, इसलिए हाल ही में शादी हुई महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों में शादी के बाद आर्थिक ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, ऐसे में महतारी वंदन योजना जैसी सहायक योजनाएँ उनके लिए बड़ी राहत साबित हो सकती थीं, लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण वे परिवार वंचित हो रहे हैं।

मोक्ष कुमार प्रधान ने सरकार से तीन प्रमुख माँगें रखते हुए कहा—1. पूरे छत्तीसगढ़ में एकसमान रूप से महतारी वंदन योजना के आवेदन तुरंत शुरू किए जाएँ।

2. पिछले दो वर्षों में शादी हुई सभी महिलाओं को आवेदन करने और लाभ पाने का अवसर दिया जाए।

3. योजना प्रक्रिया में किसी भी तरह का क्षेत्रीय या प्रशासनिक भेदभाव समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा करना चाहिए। महिलाओं को सम्मान देने की बात करने वाली सरकार यदि उनके अधिकारों को रोकती है, तो यह न केवल अन्याय है बल्कि योजनाओं के मूल उद्देश्य के खिलाफ भी है।

मोक्ष कुमार प्रधान ने अंत में कहा कि यदि सरकार जल्द निर्णय नहीं लेती, तो कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को गांव-गांव, पंचायत-पंचायत तक लेकर जाएंगे और महिलाओं के अधिकार की आवाज को और मज़बूत करेंगे।

भारत विद्या मंदिर मल्दा के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बिर्रा (समय दर्शन)। विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत भारत विद्या मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्दा के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कानन पेंडारी बिलासपुर और देवरानी जेठानी मंदिर तालागांव आदि विभिन्न देव स्थल एवं दर्शनीय स्थलों का भारत विद्या मंदिर मल्दा के संचालक दुर्गेश कुमार कश्यप के नेतृत्व में दर्शन कराया गया है।

गौरतलब है कि विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत भारत विद्या मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्दा के संचालक दुर्गेश कुमार कश्यप के नेतृत्व में अध्यनरत बच्चों को पूरा स्कूल स्टाफ के साथ शैक्षणिक भ्रमण कराया गया है। विभिन्न दर्शनी एवं देव स्थल का दर्शन करके भारत विद्या मंदिर मल्दा में पढ़ने वाले बच्चों के चेहरे पर मुस्कान झलक उठे। मनोरम दृश्य को देखकर बच्चे खुशी के मारे गदगद हो गए। इस अवसर पर भारत विद्या मंदिर मल्दा के संचालक - दुर्गेश कुमार कश्यप, प्रधानपाठक - रामअवतार कश्यप, स्टाफ- संतोष कश्यप , भानु कश्यप, आनंद कश्यप ,अजय कश्यप ,सीताराम यादव, श्रीमती मीनाक्षी कश्यप, नंदनी कश्यप ,राजेश्वरी कश्यप, दीप्ति कश्यप आदि के अलावा बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रिज्म कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी में रक्त दान एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 06 दिसंबर 2025

पाटन (समय दर्शन)। प्रिज्म कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी एवं एचडीएफसी बैंक के संयुक्त तत्वाधान से रक्त दान एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 06 दिसंबर 2025 शनिवार को सुबह 10 से दोपहर 4 बजे तक प्रिज्म संस्थान में किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रकला जोशी, एमबीबीएस, एमडी, एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, एआईएमएमएमसीआर, भिलाई, विशेष अतिथि-श्री अनिल जोशी, सेवानिवृत्त सीजीएम यूटिलिटी, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई उपस्थित रहेंगे। इस शिविर में नेत्र परीक्षण, दंत जांच, रक्त शर्करा, रक्त समूह, हीमोग्लोबिन, रक्तचाप इत्यादि की निशुल्क जांच की जाएगी। शिविर में रुंगटा डेंटल कॉलेज अपनी सेवाएं देंगे। शिवनाथ ब्लड सेंटर द्वारा रक्त दान शिविर का संचालन किया जायेगा। कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष श्री रूपेश कुमार गुप्ता, डायरेक्टर श्रीमती ख्याति साहू, प्रिंसिपल श्रीमती सीमा कश्यप के मार्गदर्शन में क्रियान्वित किया जायेगा। संस्थान के शिक्षक श्री आकाश चंद्रवंशी, श्री खिलेंद्र कुमार ठाकुर और श्री लक्ष्मीकांत साहू इस पूरे शिविर का संचालन करेंगे। इच्छुक लोग उपस्थित होकर इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ ले सकते हैं।

एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 में महासमुंद के सुखदेव एवं निखिल यादव होंगे शामिल

एशियन यूथ पैरा गेम्स दुबई में भारत से महासमुंद जिले के सुखदेव एवं निखिल यादव होंगे शामिल

महासमुंद(समय दर्शन)। एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 का आयोजन दुबई में 7 से 14 दिसम्बर 2025 तक आयोजित किया गया है जिसमें भारतीय टीम विभिन्न खेलों में शामिल होगी। पैरा एथलेटिक्स खेल में शामिल होने महासमुंद जिले के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुखदेव केंवट (छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शहीद कौशल यादव पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी) एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी निखिल कुमार यादव शामिल होंगे। निखिल यादव पिता दाऊ लाल यादव एवं सुखदेव पिता छत्रपाल केंवट फॉर्चून नेत्रहीन उ. मा. वि. विद्यालय कर्मापटपर बागबाहराकला बागबाहरा में अभ्यास करते हुए वर्तमान में दोनों खिलाड़ी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में पैरा एथलेटिक्स खेल का अभ्यास कर दुबई के लिए चयनित हुए हैं। सुकदेव टी 11 कैटेगरी वर्ग में 400 मीटर एवं 1500 मीटर दौड़ में शामिल होंगे तथा टी 12 कैटेगरी वर्ग में 1500 मीटर दौड़ में निखिल यादव शामिल होंगे। खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षक राहुल बालाकृष्णन एवं गाईड रनर वेंकटेश शामिल होंगे। फॉर्चून फाउंडेशन के संचालक निरंजन साहू ने बताया कि खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन करने एवं पदक जीतने की उम्मीद जताई गई हैं। इससे पहले भी सुखदेव ने अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया है। एशियन यूथ पैरा गेम्स दुबई में महासमुंद के खिलाड़ियों को भागीदारी करने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि साहू, सचिन भूतड़ा, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, निरंजन साहू, प्रदेश सचिव डीकेश टंडन, डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही, पारस चोपड़ा, डॉ विकास अग्रवाल, डॉ पुरेंद्र चंद्राकर, जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन महासमुंद अध्यक्ष निरंजन साहू, सचिव तोरण यादव, विजू पटनायक, विपिन मोहंती, पुष्पेंद्र चंद्राकर, अपूर्व पांडे, सविता निषाद, भूमिका यादव, रश्मि साहू, दिव्यलोचन साहू, भेखलाल साहू, तुलसीराम बरिहा, दिलेश्वर चंद्राकर, मायाराम पटेल, विकास बग्गा, जिला एथलेटिक्स संघ महासमुंद सचिव डॉ. सुनील कुमार भोई, चारूलता गजपाल, लक्ष्मीप्रिया साहू, फॉर्चून फाउंडेशन विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं स्टॉफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सड़क निर्माण में ठेकेदार की मनमानी धूल की अंबार से ग्रामीण परेशान

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलादेही में मुख्य मार्ग से मौहाडीह संगम नदी तक नया बन रहे सड़क में ठेकेदार मनमानी कर रहा है। ठेकेदार के द्वारा निर्माणाधीन सड़क में पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण धूल के अंबार लगने से ग्रामीणों को बेवजह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलादेही में सिलादेही से मौहाडीह संगम नदी तक नया सड़क ठेकेदार के माध्यम से बनाया जा रहा है। निर्माणाधीन सड़क में ठेकेदार अपनी मनमानी से काम कर रहा है। सड़क में पानी सुबह-शाम नहीं डाला जा रहा है। नई सड़क में पानी नहीं डालने से धूल के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। वातावरण पूरा प्रदूषित हो गया है। धूल के अंबार लगने से ग्रामीणों को बेवजह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन मजेदार बात यह है कि छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग चांपा संभाग चांपा के कार्यपालन अभियंता श्रीमती ममता पटेल, अनुविभागीय अधिकारी डीएस धुर्वे और उप अभियंता एमएल घृतलहरे नया सड़क निर्माण कार्य को ठेकेदार भोजराम अजगल्ले को लगभग 3 करोड रुपए में ठेका में सौंप कर अपनी आंख बंद कर लिए हैं। ग्रामीणों की समस्याओं से लोक निर्माण विभाग चांपा, संभाग चांपा के अधिकारियों को कोई भी प्रकार से लेना देना नहीं है। नए बन रहे सड़क में धूल के अंबार लगने के कारण ग्राम वासियों को बेवजह सर्दी जुकाम, खांसी एवं कई प्रकार की बीमारियों की डर सता रही है। ठेकेदार भोजराम अजगल्ले छत्तीसगढ़ के सरकार भाजपा शासनकाल का पूरा-पूरा लाभ उठा रहा है। भोजराम अपने आप को पूर्व सांसद गुहराम अजगल्ले का भाई बताकर धौंस जमा रहा है। इसलिए सड़क में पानी नहीं डाला जा रहा है। लिहाजा ठेकेदार के मनमानी का ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन ग्राम पंचायत सिलादेही के ग्रामीणों ने शासन के नियमानुसार सड़क बनवाने की मांग जिले के मुखिया कलेक्टर महोदय से किए हैं।

निरीक्षण करके शासन के मापदंड के हिसाब से कार्य कराया जाएगा।

एम एल घृतलहरे
उप अभियंता
लोक निर्माण विभाग चांपा
संभाग चांपा

शोभायात्रा के साथ साई महोत्सव का समापन

भंडारा में महाप्रसादी ग्रहण करने उमड़े श्रद्धालु

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने साई बाबा के किए दर्शन, प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए की कामना

दुर्ग (समय दर्शन)। कसारीडीह सिविल लाइन स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर के 49वें वार्षिक साई महोत्सव के अंतिम दिन गुरुवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिनभर मंदिर में साई भजन की धूम मची रही। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारे लगी रही।

दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से श्रद्धालुओं ने हजारों की संख्या में शामिल होकर महाप्रसादी ग्रहण कर कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। साई महोत्सव में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव शामिल हुए। उन्होंने श्री साई बाबा की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशियली और सुख समृद्धि के लिए कामना की। तत्पश्चात श्री यादव भंडारा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं को महाप्रसादी की सामाग्री परोसी और उन्हें साई महोत्सव की बधाई दी। महापौर अलका बाघमार ने भी श्री साई बाबा के दर्शन किए और श्रद्धालुओं के साथ पंगत में बैठकर महाप्रसादी ग्रहण किया। इस दौरान जिला भाजपा उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, काशीराम कोसरे, पार्षद साजन जोसेफ कमल देवांगन, मनीष कोठारी, अन्य पार्षदगण और भाजपा नेता मौजूद रहे। इसके अलावा महाप्रसादी ग्रहण करने पूर्व विधायक अरुण वोरा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, पूर्व सभापति राजेश यादव, राजकुमार नारायणी, समाजसेवी चतुर्भुज राठी, छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज प्रदेश मंत्री अशोक राठी, पार्षद प्रकाश गीते, पूर्व पार्षद भोला महोबिया, प्रकाश जोशी, पूर्व पार्षद अल्ताफअहमद, अमृत लोढ़ा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आयुष शर्मा, युवा कांग्रेस नेता संदीप वोरा, सुमित वोरा, दीपक चोपड़ा,जन समर्पण सेवा संस्था अध्यक्ष बंटी शर्मा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि व समाजसेवी मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ पंगत पर बैठकर महाप्रसादी ग्रहण की। शाम को श्री साई बाबा की महाआरती उपरांत श्री साई बाबा की भव्य शोभायात्रा (पालकी यात्रा) निकाली गई। यह शोभायात्रा बाजे गाजे के साथ साई मंदिर से शुरू होकर सिविल लाइन, पदमनाभपुर, मुक्तनगर, आदर्श नगर, कन्हैयापुरी चौक, आजाद चौक से होकर कसारीडीह चौक पहुंची। शोभायात्रा का पूरे रास्ते भर श्रद्धालुओं द्वारा आतिशबाजी कर जगह-जगह स्वागत किया गया, वहीं कई श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा के स्वागत में अपने-अपने घरों के सामने दीपक जला रखे थे। जिससे शोभायात्रा के दौरान क्षेत्र में दिवाली का माहौल बना।

कसारीडीह चौक से शोभायात्रा मंदिर पहुंची, देर रात्रि श्री साई बाबा की सेज आरती- उपरांत तीन दिवसीय महोत्सव का समापन हुआ। साई महोत्सव के अंतिम दिन महाप्रसादी वितरण एवं शोभायात्रा में सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष धीरेंद्र शर्मा, शिवाकांत तिवारी, सह सचिव संतोष यदू, कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता, प्रचार सचिव सुरेश साहू, अजय सुरपाम, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद वोरा, संजय लाखे, विनय चंद्राकर, संतोष खिरोड़कर, गणेश निर्मलकर, नरेंद्र राठी, राकेश सेन, रोमनाथ साहू, अजय मिश्रा,जयंत खिरोड़कर, बीएल अग्रवाल, मुरलीधर राउत, नितिन शेंडे, अरविंद लोखंडे, प्रशांत राउत, श्रीधर भजने, प्रभाकर राव पाटने, विपिन बोहरा, अतुल मढ़रिया, कृष्ण देशमुख, अनिकेत यादव, धनेश सिंह राजपूत, महेश वर्मा, प्रीति राजपूत, संध्या साहू, दीप्ति राउत, स्वीटी सिंह, रजनी सिंह, संगीता सिंह सहित अन्य सदस्यगण और श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 के टॉप 10 अभ्यर्थियों ने की सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 के टॉप 10 अभ्यर्थियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 के टॉप 10 अभ्यर्थियों ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को सफलता के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर विधायक श्री ललित चंद्राकर और राजभाषा अधिकारी श्री छगन लाल नागवंशी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी के अनुभव, परीक्षा के दौरान आने वाली चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के कारण विद्यार्थियों ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 में प्रदेश के युवाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन हम सबके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपको हमेशा यह भी याद रखना होगा कि आगे आपकी भूमिका लोकसेवक की होगी। आपको अपने दायित्वों के निर्वहन में धैर्य, विनम्रता और लोक सेवक की सीमाओं का हमेशा ध्यान रखना होगा। आम जनमानस में प्रशासन का विश्वास कायम रखने की दिशा में आप सभी को संवेदनशीलता से प्रयास करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया है और वह परीक्षा परिणामों में साफनजर आ रहा है।

टॉपर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए जिम्मेदारी का नया अध्याय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की सेवा करेंगे और प्रदेश के विकास में योगदान देंगे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 के टॉप 10 चयनित अभ्यर्थी श्री देवेश प्रसाद साहू, श्री स्वप्निल वर्मा, श्री यशवंत कुमार देवांगन, श्री पोलेश्वर साहू, श्री पारस शर्मा, सुश्री शताक्षी पाण्डेय, श्री अंकुश बैनर्जी, सुश्री सृष्टि गुप्ता, श्री प्रशांत वर्मा और श्री सागर वर्मा सपरिवार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से एनएमआईएमएस के प्रतिनिधियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में नारसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS) के प्रतिनिधि श्री जगदीश वी पारिख ने सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष प्रयासों तथा नई संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री पारिख ने मुख्यमंत्री को संस्थान द्वारा नया रायपुर के एडुसिटी में अपना कैंपस स्थापित करने के प्रस्ताव से अवगत कराया। उन्होंने एनएमआईएमएस द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी भी साझा की। साथ ही श्री पारिख ने उन्हें आज आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ पी चौधरी से हुए मुलाकात के बारे में बताया और उनके माध्यम से हर संभव विभागीय सहयोग मिलने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ नया रायपुर में एडुसिटी का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि एडुसिटी के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट संस्थाओं में पढ़ने का अवसर मिलेगा और उन्हें बड़े शहरों की ओर जाने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नारसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के आने से राज्य के युवाओं को मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त होगी। एडुसिटी में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के संचालन से युवाओं के कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी और रोजगार के बेहतर अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार नया रायपुर को एजुकेशनल हब के रूप में विकसित करने के लिए एडुसिटी का निर्माण कर रही है। इसमें मल्टी-डिसिप्लीनरी यूनिवर्सिटी, रिसर्च सेंटर, इन्क्यूबेशन हब, डिजिटल लाइब्रेरी, विज्ञान एवं नवाचार केंद्र तथा अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना प्रस्तावित है। इससे प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, शोध और स्टार्टअप के अवसर मिलेंगे। नया रायपुर में पहले से ही आईआईआईटी, आईआईएम, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान संचालित हैं। एडुसिटी के विकसित होने से यहां शिक्षा का एक सशक्त और आधुनिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, नया रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चंदन कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों के लिए संवेदनशील बने समाज-श्री डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज विश्व दिव्यांगजन दिवस पर कोपलवाणी श्रवण बाधित विद्यालय सेमरिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और दिव्यांग बच्चों को आर्शीवाद एवं प्रोत्साहन दिया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए समाज संवेदनशील बने, उनका सम्मान करें और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करें।

कोपलवाणी विद्यालय को 5 कम्प्यूटर प्रदान करने की घोषणा के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से 2 लाख रूपए देने की भी घोषणा

राज्यपाल श्री डेका ने कोपलवाणी श्रवण बाधित विद्यालय सेमरिया में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को जो स्वरोजगार व अन्य क्षेत्र में कार्य कर रहे है, उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने इस विद्यालय को अपने स्वेच्छानुदान मद से 5 कम्प्यूटर प्रदान करने की घोषणा की साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को

पुरस्कृत करने के लिए व्यक्तिगत रूप से 2 लाख रूपए देने की भी घोषणा की।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि दिव्यांगजन भी हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमे ऐसा माहौल बनाना है जहां उन्हें किसी भी तरह की रूकावट महसूस न हो। हम शासन और समाज मिलकर दिव्यांगजनों के लिए ऐसी दुनिया बनाएं जहां वे सम्मान और आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य शासन द्वारा योजनाएं चलाई जा रही है। दिव्यांग पेंशन से उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। सरकारी नौकरी में आरक्षण, छात्रवृत्ति, नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें शिक्षा एवं स्वावलंबन में मदद की जाती है। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए। श्री डेका ने दिव्यांग बच्चों से कहा कि आप समाज के एक अंग है। समाज, प्रदेश व देश आपके साथ है।

राज्यपाल श्री डेका ने विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में जाकर छात्र-छात्राओं से मुलाकात की साथ ही उनके द्वारा बनाए गए पेंटिंग की प्रदर्शनी को देखा और सराहना की। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल के पहल पर इस संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई पेंटिग को लोकभवन द्वारा क्रय किया जाता है और यहां आने वाले मेहमानों को भेंट किया जाता है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर उन्हें भी यह पेंटिंग भेंट की गई थी।

कॉलेज ऑफएग्रीकल्चर, रायपुर के छात्रों ने नकटी में ग्रामीण सूचना केंद्र का किया उद्घाटन

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के बी.एससी. (कृषि) चतुर्थ वर्ष के ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने रायपुर जिले के धरमपुरा स्थित नकटी गाँव के महिला भवन में ''ग्रामीण सूचना केंद्र सह प्लांट क्लिनिक'' का शुभारंभ किया। यह केंद्र किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, पौध संरक्षण, कीट निदान तथा फसल संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत RAWE समन्वयक ''डॉ. रविंद्र सोनी'' द्वारा मुख्य अतिथि ''डॉ. आरती गुहे'', अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय रायपुर, के स्वागत से हुई। डॉ. सोनी ने अधिष्ठाता महोदय को छात्रों द्वारा अब तक किए गए कार्यों और आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रस्तुत की।

चतुर्थ वर्ष की छात्रा ''खुशी शर्मा'' ने ॠङ्कश्व अवधि में छात्रों द्वारा किए गए ग्रामीण कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया, जिसमें किसान परिवारों से संपर्क स्थापित करना, कृषि-आर्थिक सर्वेक्षण, वृक्षारोपण, टूटी-फ्रूटी और जैम निर्माण, फसल निदान, किसान प्रशिक्षण तथा विभिन्न प्रदर्शनों और विस्तार गतिविधियों का विवरण शामिल था।

अपने उद्बोधन में ''डॉ. गुहे'' ने छात्रों की टीमवर्क और ग्रामीण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों का प्रयास किसानों को नए परिवर्तन अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, जो इस केंद्र की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक ''डॉ. राम मोहन सावू, डॉ. ऐश्वर्या टंडन, डॉ. दीप्ति पटेल, डॉ. वाई.के. मेश्राम एवं डॉ. पायल जायसवाल'' ने भी प्रतिभाग कर सामुदायिक सहयोग को मजबूत किया। नया ग्रामीण सूचना केंद्र नकटी क्षेत्र में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने हेतु ''कीट एवं रोग निदान, एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM), मिट्टी स्वास्थ्य परामर्श, तथा किसानों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र'' जैसी सुविधाएँ प्रदान करेगा। यह केंद्र कृषि विशेषज्ञों और किसानों के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करेगा।

50 लाख रूपए की लागत से तैयार किया गया है इंदरू केंवट नेचर पार्क

वन मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम जैसाकर्रा में किया इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण

रायुपर। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज चारामा के ग्राम जैसाकर्रा में स्थापित इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण किया। समारोह में विधायक भानुप्रतापपुर श्रीमती सावित्री मण्डावी भी मौजूद थी। चारामा वन परिक्षेत्र के ग्राम जैसाकर्रा में इस नेचर पार्क का निर्माण 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से किया गया है।

नेचर पार्क के लोकार्पण अवसर पर संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह नेचर पार्क बहुत अच्छा बना है। भविष्य में इसका और विकास किया जाएगा। इसके विकास में नेचर को ध्यान रखे और कांक्रीट का ज्यादा उपयोग न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि हमारा बस्तर वनों से आच्छादित है। इसके महत्व को समझें और इसका संरक्षण करते हुए वनोपज के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करे।

उल्लेखनीय है कि चारामा परिक्षेत्र के

सिरसिदा बीट के कक्ष क्रमांक 1474 में वित्तीय वर्ष 2024-25 में पर्यावरण वानिकी मद से 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से इंदरू केंवट नेचर पार्क जैसाकर्रा का निर्माण किया गया है, जो लगभग दो हेक्टेयर वन भूमि में फैला है। पर्यावरणीय शिक्षा, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और प्रकृति संरक्षण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना तथा स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकां और शोधार्थियों को प्रकृति के समीप लाना इसका मुख्य उद्देश्य है ताकि वे वन, वनस्पति, जीव-जंतु और पारिस्थितिकी के महत्व से अवगत हो सकें।

नेचर पार्क में एक प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, पर्यटकों के लिए नेचर ट्रेल्स, लॉन एरिया, गार्डन, ओपन जिम, छोटे बच्चों हेतु प्ले एरिया, बैठने हेतु पैगोडा निर्माण, फव्वारा, शौचालय, पौधों की सिंचाई के लिए ओवरहेड टैंक एवं बंबू सैटम आदि का निर्माण किया गया है। यहां 40 प्रकार के फूलदार पौधे, 50 वृक्ष प्रजाति के पौधे, 20 प्रजाति के औषधीय पौधे तथा 17 प्रजाति के बांस के पौधों को रोपण किया गया है। इसका संचालन वन प्रबंधन समिति जैसाकर्रा द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती सावित्री मण्डावी ने कहा कि इंदरू केंवट नेचर पार्क का आज लोकार्पण हो रहा है, इस नेचर पार्क से आम लोगों को फायदा मिलेगा, साथ ही पर्यवरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा हम सब का दायित्व है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव, नगर पंचायत चारामा के अध्यक्ष श्री भुनेश्वर नागराज, मुख्य वन संरक्षक कांकेर श्री राजेश चंदेले, डी.एफओ. श्री रौनक गोयल, श्री आलोक ठाकुर, श्री टेकेश्वर जैन, श्री नरेन्द्र यादव, श्री नंदकुमार ओझा, सरपंच जैसाकर्रा श्री रविलाल नायक, एसडीएम चारामा श्री नरेंद्र बंजारा, अनुविभागीय अधिकारी वन श्री जसवीरसिंह मरावी, तहसीलदार श्री सत्येन्द्र शुक्ल सहित जनपद सदस्य, वन प्रबंधन समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

वन हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत: वन मंत्री श्री कश्यप

रायपुर। वन मात्र हमारे संसाधन ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत हैं। राज्य सरकार वन संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और वन आश्रित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त वन प्रबंधन समितियाँ हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। यह बातें आज वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने धमतरी जिले में नवीन वनमंडल कार्यालय का लोकार्पण एवं वन प्रबंधन समितियों के सम्मेलन कार्यक्रम में कहा। कार्यक्रम में आज वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्रीमती अम्बिका मरकाम, विधायक श्री ओंकार साहू, महापौर श्री जगदीश रामू रोहरा तथा छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम सहित जनप्रतिनिधि एवं वन प्रबंधन समितियों के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध है धमतरी जिला- वनमंत्री श्री कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि धमतरी जिला प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध है और वन संरक्षण में स्थानीय परंपराएँ और जनभागीदारी हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। उन्होंने कहा कि नया वनमंडल कार्यालय प्रशासनिक कार्यों को गति देगा और वन प्रबंधन समितियों के साथ समन्वय को भी और मजबूत करेगा। वन मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि राज्य सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों को वास्तविक मूल्य दिलाने, रोको-टोको चौकियों के सुदृढ़ीकरण तथा औषधीय पौधों के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण में जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है और सभी समितियों को पारदर्शी एवं सहभागी तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है।

32 संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को 3 करोड़ से अधिक राशि वितरित- कार्यक्रम की शुरुआत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण से हुई। इसके पश्चात नवीन वनमंडल कार्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। लगभग 1.14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सुव्यवस्थित कार्यालय कक्ष, बैठक कक्ष और सभी आवश्यक प्रशासनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री श्री कश्यप ने जिले की 32 संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को 3 करोड़ से अधिक राशि के विभिन्न कार्यों के स्वीकृति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने भी अपने उद्बोधन में वन विभाग द्वारा धमतरी जिले में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव एवं वन मंडलाधिकारी श्री श्रीकृष्ण जाधव ने विभागीय कार्यों और उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

रेलवे स्लीपर कोच के यात्रियों को नये वर्ष में बैड रोल की सौगात देगा

रायपुर। भारतीय रेल देश भर में चलने वाली एक्सप्रेस सुपरफास्ट ट्रेनों में यात्रियों की आराम दायक यात्रा के लिए सुविधा उपलब्ध कराता रहा है। इसी कड़ी में अब रेलवे द्वारा स्लीपर कोच के यात्रियों की यात्रा आराम दायक बनाने के उद्देश्य से 1 जनवरी 2026 से बेड रोल की सुविधा स्लीपर कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को उपलब्ध करायी जाएगी। बेडरोल में यात्रियों को कंबल, तकिया और चादर उपलब्ध कराया जाएगा। रेलवे की सौगात से जहां एसी एवं अन्य कोच में आरामदायक यात्रा करने वाले यात्रियों की साथ ही स्लीपर कोच की यात्रा भी लंबी दूरी बेड रोड प्राप्त कर सकेंगे। बेडरोल प्रति यात्री प्रति बर्थ 50 रुपये में उपलब्ध करायी जाएगी। यह 50 रुपये की राशि रिजर्वेशन टिकट के समय पर ही काउंटर से जोड़कर ली जाएगी। अभी प्रयोग के तौर पर चेन्नई डिविजन ने अपने क्षेत्र से गुजरने वाली सुपरफास्ट ट्रेनों में यह सुविधा उपलब्ध एक जनवरी से कराएगी। इसके साथ ही यह सुविधा यात्रियों को रेलवे के संपूर्ण जोनों में जनवरी माह से ही प्राप्त होगी। इसके साथ ही अब यात्रियों को यात्रा के दौरान वायलेट रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रेलवे यात्री डिब्बों में एटीएम की सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। जिससे यात्री गुगल पे की सुविधा अपने मोबाइल में नहीं होने पर भी एटीएम कार्ड के जरिए खाने पीने की सामाग्री का भुगतान कर सकेंगे।

ठंड में हो रहे इजाफे से गौमाता कांप रही, सड़कों पर बिता रही रात

रायपुर। रायपुर सहित देश भर में गौमाता को जहां सनातनी राष्ट्र माता घोषित करने की मांग कर रहे है आए दिन पत्रकारवार्ता में अनेक गौशाला समिति के पदाधिकारी के द्वारा गौमाता के सुरक्षित देखभाल के बड़े बड़े दावे किये जाते है किंतु यथार्थ में तस्वीर कुछ और है। शहर के बड़े हिस्से में इन दिनों जबर्दस्त ठंड पड़ रही है। शहर का ऐसा कोई रास्ता नहीं बचा है जब रात को गौमाता ठंड से कांपती हुई देखने को मिलती है। खुले आकाश के नीचे जब हम और आप नहीं रह सकते तो गौमाता से कंपकंपाती ठंड में रात गुजारने की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उक्त उद्गाार सुंदर नगर निवासी अमित पांडेये ने व्यक्त करते हुए कहा कि गौमाता से संबंधित हर समस्या को गौशाला समितियों द्वारा सरकार पर डालकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की जाती है जबकि पूर्व भूपेश सरकार द्वारा गौमाताओं के लिए गौठानों का निर्माण किया गया था । पांडेय के अनुसार सड़क पर घूमने वाली अधिकांश गौमाताएं उन पशुपालकों की है जो गौमाता को दूध नहीं देने के कारण सड़कों पर निकाल देते है। गौ आयोग बनने के बाद भी अभी तक ऐसे पशुपालकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर अमित पांडेय ने आक्रोश जाहिर किया। उन्होंने कहा कि गौमाता का हिंदू पुराणों में अग्रणी स्थान है उनमें देवताओं का वास होता है बावजूद इसके गौशाला समितियों द्वारा भी रात में ठंड से कंपकंपाती गौमाता को ठंड से बचाने के लिए कोई प्रयास नहीं किये जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के पशुपालन मंत्री से मांग की है कि कांग्रेस सरकार द्वारा बनाये गये गौठानों में गौमाताओं को ठंड से बचाने के लिए पर्याप्त साधन जुटाए जाए। साथ ही गौशाला समितियों के प्रबंधकों से भी उन्होंने प्रचार के बजाय सतह पर जमीनी तौर पर काम करने की अपील की है।

संपादकीय

बीएलओ पर काम का बोझ

बिहार में हुए एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई निर्देश दिए। अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर में उन उपायों को लागू किया गया है। इससे बीएलओज पर काम का बोझ बढ़ गया है। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच कई बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की मौत ने पहले से ही विवादित इस प्रक्रिया में नया आयाम जोड़ दिया है। बुधवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले से शांतिमुनी एक्का नाम की एक बीएलओ के आत्महत्या करने की खबर आई। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर कार्य के दौरान अब तक 28 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा 卐काम के अत्यधिक दबाव, भय एवं अनिश्चितता卐 के कारण हुआ है और इसके लिए निर्वाचन आयोग जिम्मेदार है, जिसने अनियोजित ढंग से यह काम थोप दिया। इसके पहले केरल और राजस्थान से भी एक-एक बीएलओ की मृत्यु की खबर आ चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बिहार में हुए एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई निर्देश दिए। अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर में उन उपायों को लागू किया गया है। इससे बीएलओज पर सत्यापन तथा उसके बाद डेटा को डिजिटल करने का बोझ बढ़ गया है। दूर-दराज के इलाकों में नेटवर्क की कमजोरी तथा गरीबों की बस्तियों में दस्तावेजों की जांच यातनादायक प्रक्रिया बन गई है। इन सभी कार्यों के लिए समयसीमा तय है। मगर व्यावहारिक दिक्कतों के कारण इसे पूरा करना कई जगहों पर मुश्किल साबित हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के पहले चरण का आधा समय पूरा होने के बावजूद बुधवार तक सिर्फ 16 प्रतिशत फॉर्म्स को डिजिटल किया जा सका। उत्तर प्रदेश में तो यह संख्या चार प्रतिशत भी कम थी। इसलिए इस आरोप में दम है कि निर्वाचन आयोग ने व्यावहारिक नजरिया नहीं अपनाया। उसने जल्दबाजी में और बिना सभी पक्षों को भरोसे में लिए यह महति कार्य शुरू कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा है कि 'पहले जिस प्रक्रिया को पूरा करने में तीन साल लगे थे, अब चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए आयोग ने बीएलओज पर अमानवीय बोझ डाल दिया है।' मुमकिन है कि इस बयान को राजनीति से प्रेरित माना जाए। मगर निर्वाचन आयोग ने व्यावहारिक दृष्टि नहीं अपनाई, यह धारणा मजबूत होती जा रही है।

कांग्रेस का एकमात्र मकसद सत्ता प्राप्त करना

बलबीर पुंज

कांग्रेस कभी औपनिवेशिक विभाजनकारी नीतियों से लड़ने का प्रतीक थी। किंतु दुर्भाग्य से, वही विषाक्त चिंतन पं.नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के दौर से गुजरते हुए आज राहुल गांधी के समय तक पार्टी की नस-नस में समा गया है। अब कांग्रेस नेतृत्व का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता प्राप्त करना रह गया है— चाहे इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा-अखंडता को दांव पर लगाकर भारत की प्रतिष्ठा को ही धूमिल क्यों न करनी पड़े।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस को मुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेस कहने और उसे देश के लिए खतरा बताने का निहितार्थ क्या है? इस विचार को प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार नहीं, बल्कि तीन अवसरों पर व्यक्त किया हैं। पहले 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग गठबंधन द्वारा दर्ज प्रचंड जीत पर दिल्ली में भाजपा समर्थकों को संबोधित करते हुए। फिर 15 नवंबर को गुजरात स्थित सूरत के एक कार्यक्रम में और इसके बाद 17 नवंबर को दिल्ली में आयोजित रामनाथ गोयनका व्याख्यान में। प्रधानमंत्री के मुताबिक, 10-15 साल पहले कांग्रेस में जो अर्बन-नक्सली माओवादी पैर जमा चुके थे, अब वो कांग्रेस को 'मुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेस' (एम.सी.सी.) बना चुके हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि मुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेस अपने स्वार्थ मेंज देश के लिए खतरा बनते जा रही है। कांग्रेस की यह छवि एकाएक नहीं बनी है और न ही यह मात्र कोई चुनावी या राजनीतिक जुमलेबाजी है। कांग्रेस का संकट बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर उसके आधिकारिक वक्तव्य से स्पष्ट है, जिसमें पार्टी नेतृत्व मतदाता द्वारा नकारे जाने को फर्जी वोट चोरी का परिणाम बता रही है। दरअसल, वर्तमान कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी जिस विभाजनकारी मार्ग पर चल रहे है, उसकी प्रेरणा उन्हें अपने परिवार ही से मिली है। वर्ष 1950 से राहुल के परनाना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिस विकृत सेकुलरवाद को अपनाया, उसने देश में इस्लामी कट्टरता और हिंदू-विरोधी शक्तियों को नया जीवनदान दिया। पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर के इस्लामी स्वरूप को बरकरार रखने हेतु अनुच्छेद 370-35ए को संविधान में बिना चर्चा के 'चोर दरवाजे' से शामिल करवाया, तो बहुसंख्यकों के लिए 'हिंदू कोड बिल' लागू करके मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर मुस्लिम समाज को हलाला और तीन तलाक जैसी कुरीतियों के साथ छोड़ दिया। पं।नेहरू के लिए हिंदू मंदिर दमनकारी, तो केवल हिंदू ही सांप्रदायिक थे। कालांतर में उनके द्वारा अपनाई समाजवाद प्रेरित नीतियों ने भारतीय आर्थिकी को ध्वस्त कर दिया, जिसकी चर्चा पिछले कुछ लेखों में की जा चुकी है। यह विकृति राहुल की दादी श्रीमती इंदिरा गांधी के शासन में और बढ़ गई। उन्होंने 1969 में कांग्रेस टूटने के बाद अपने धड़े की वैचारिक संगोष्ठी उन वामपंथियों के हाथों में सौंप दी, जो अधिनायकवाद को बढ़ावा देने के साथ न तो तब स्वयं को भारत की बहुलतावादी सनातन संस्कृति से जोड़ पाए थे, न ही अब जोड़ पाते है। इसके परिणामस्वरूप, अदालत द्वारा अपनी वोट चोरी पकड़े जाने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल (1975-77) थोप दिया। इसी दौरान अयोध्या में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के प्रमाण संबंधित उखनन रिपोर्ट को भी दबा दिया गया। कालांतर में पंजाब में अपनी विरोधी अकाली दल को हाशिए पर पहुंचाने हेतु उन्होंने मृत 'खालिस्तान' विचार को अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ और सत्ता हथियाने की लालसा में पुनर्जीवित कर दिया।

पुतिन की भारत यात्रा: नयी विश्व राजनीति की आहट

ललित गर्ग

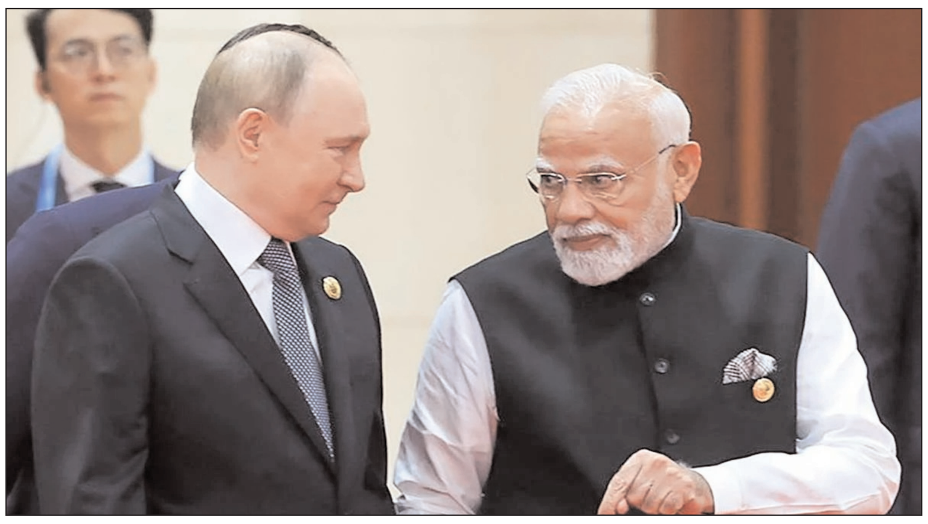

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।

भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है- कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं। पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है- स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया।

इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अत: कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

विपक्ष के लिए गहरे आत्म-मंथन का विषय

सत्येन्द्र रंजन

अब भविष्य सिर्फ उन शक्तियों का है, जो राजनीति की नई समझ और परिभाषा अपना सकें। जो राजनीति की ऐसी समझ अपना सकें, जिसमें चुनाव लड़ना ही एकमात्र गतिविधि ना हो। जिसमें उद्देश्य आधारित संगठन, संघर्ष, और रचनात्मक कार्यक्रम समान रूप से महत्त्वपूर्ण हों। दरअसल, ऐसी राजनीति जो करेगा, दीर्घकाल में उसके लिए ऐसा जन समर्थन अपने-आप तैयार होगा, जिससे उसे चुनावी सफलता मिले। किसी राज्य में चुनाव हो, तो इस दौर में वहां मंच सज्जा में कई समान पहलू मौजूद रहते हैं और ऐसा बिहार में भी था। बाकी बातें स्थानीय समीकरणों और परिस्थितियों से तय होती हैं, हालांकि उनमें भी कुछ समानताएं ढूंढी जा सकती हैं। तो कुल मिलाकर बिहार में जो चुनाव नतीजा सामने आया, वह पहले से जारी ट्रेंड के काफी कुछ अनुरूप है। साथ ही इन नतीजों ने उस रुझान को और आगे बढ़ाने में अपने तईं कुछ खास योगदान किया है। ये रुझान भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य के बारे में कुछ ठोस संकेत देते हैं-

आइए, इसकी विस्तार से चर्चा करते हैं। मंच के नेपथ्य में जो बातें आज हर जगह मौजूद रहती हैं, उनमें सबसे महत्त्वपूर्ण है चुनाव प्रणाली को लेकर पैदा हुए संदेह। बिहार का चुनाव आते-आते यह पहलू अत्यधिक गंभीर हो गया। इसमें बड़ा योगदान इस चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले का रहा। कई ऐसे कारण हैं, जो सघन होकर अब चुनाव की पूरी प्रक्रिया पर संदेह का साया डाल रहे हैं। उनमें प्रमुख है:

मतदाता सूची, जिसमें शामिल और निकाले गए नामों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मतदान के दिन आखिरी घंटों में असामान्य रूप से अधिक मतदान की शिकायत लगातार आ रही है।

कई जगहों पर कुछ, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के मतदान की राह में जानबूझ कर रुकावट खड़ा करने की कथित कोशिशों के इल्जाम लगते हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर की चर्चाएं हर बार गर्म होती हैं। विपक्ष की मांग के मुताबिक वीवीपैट पर्चियों की गिनती ना करने के निर्वाचन आयोग के फैसले से विपक्षी खेमों में यह संदेह और गहराया है। मतगणना के दौरान जहां हार-जीत का अंतर कम हो, वहां प्रशासनिक हेरफेर से परिणाम को प्रभावित करने के आरोप कई चुनावों में लगे हैं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने ऐसे संगीन आरोप लगाए थे। बाद में उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामले चर्चित हुए। चुनाव कार्यक्रम तय करने में निर्वाचन आयोग की भूमिका संदिग्ध होती गई है। विपक्षी दलों का इल्जाम है कि चुनाव कार्यक्रम केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सुविधा से तय किए जाते हैं।

हमारे पैरों के नीचे का अनमोल खजाना

सूर्योदय की पहली किरणों के साथ, एक वृद्ध किसान अपने खेत में पहुंचा। उसकी उंगलियां धरती को छूईं, और मिट्टी के कण हथेली में समा गए। यह साधारण मिट्टी नहीं थी—यह सदियों की कहानी थी, जीवन का आधार थी, और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य थी।

सात पीढ़ियां, किसान ने सोचा, सात पीढ़ियों का भार इस मिट्टी पर टिका है।

मिट्टी—एक जीवित संसार- गांव से कुछ दूर, एक प्रयोगशाला में एक युवा वैज्ञानिक सूक्ष्मदर्शी के नीचे मिट्टी के नमूने का अध्ययन कर रहा था। जो दृश्य दिखाई दिया, वह आश्चर्यजनक था—एक पूरा ब्रह्मांड, जो नंगी आंखों से अदृश्य था। करोड़ों सूक्ष्म जीव, बैक्टीरिया, कवक, और असंख्य जीवाणु जो मिलकर एक जटिल जाल बुन रहे थे। वे कार्बनिक पदार्थों को तोड़ रहे थे, पोषक तत्व मुक्त कर रहे थे जिन्हें पौधे अवशोषित कर सकते थे।

वैज्ञानिक ने अपने साथी से कहा, 卐एक चम्मच मिट्टी में पृथ्वी की कुल मानव आबादी से अधिक जीवित जीव होते हैं। यह केवल मिट्टी नहीं है—यह एक जीवित, सांस लेती हुई प्रणाली है।

एक बच्चे की खोज- शहर के बीचोबीच, एक सामुदायिक उद्यान में, एक बच्चा अपने हाथों से मिट्टी खोद रहा था। मिट्टी ठंडी और नम थी, भरपूर संभावनाओं से भरी हुई। एक शिक्षक ने समझाया कि कैसे यह साधारण सी दिखने वाली मिट्टी पानी को छानती है, कार्बन को संग्रहीत करती है, और हर थाली में परोसे गए भोजन को जन्म देती है।

लेकिन यह इतनी महत्वपूर्ण कैसे हो सकती है? बच्चे ने पूछा।

शिक्षक ने मुस्कुराते हुए कहा, 卐हमारे पैरों के नीचे की यह मिट्टी हमारा सबसे बड़ा धन है। यह हमें खाना देती है, हवा को शुद्ध करती है, बाढ़ से बचाती है, और जलवायु को संतुलित रखती है। इसके बिना, जीवन संभव नहीं है।

बच्चे ने अपने छोटे हाथों में मिट्टी को देखा, और पहली बार, उसे एहसास हुआ कि वह कुछ अनमोल पकड़े हुए है।

संकट की कहानी- लेकिन देश के दूसरे हिस्से में, एक अलग कहानी सामने आ रही थी। विशाल खेतों में, धूल के बादल उठ रहे थे। लगातार खेती, रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, और वनों की कटाई ने मिट्टी को बंजर बना दिया था। जो उपजाऊ भूमि कभी सुनहरी फसलें उगाती थी, वह अब सूखी और बेजान पड़ी थी। एक वृद्ध महिला, जिसने अपना पूरा जीवन इस भूमि पर बिताया था, आंसू भरी आंखों से देख रही थी। जब मैं छोटी थी, उसने कहा, यह धरती इतनी उपजाऊ थी कि बीज डालो और फसल उग आए। अब, कितनी भी मेहनत करो, कुछ नहीं उगता। हमने अपनी धरती माता को बीमार कर दिया है।

पास के गांव में, एक किसान परिवार को अपनी जमीन छोड़नी पड़ी क्योंकि मिट्टी अब कुछ भी उगाने लायक नहीं रही थी। मिट्टी का कटाव, लवणता, और पोषक तत्वों की कमी ने उनकी आजीविका छीन ली थी।

वैज्ञानिकों की चेतावनी- एक सम्मेलन कक्ष में, वैज्ञानिकों का एक समूह नीति निर्माताओं को चेतावनी दे रहा था। स्लाइड्स पर आंकड़े चौंका देने वाले थे:

- दुनिया की एक-तिहाई मिट्टी पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी है
- हर पांच सेकंड में फुटबॉल के मैदान के बराबर मिट्टी का कटाव हो रहा है
- केवल 60 वर्षों की खेती योग्य मिट्टी बची है यदि वर्तमान दर जारी रही
- मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट से खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है

एक प्रमुख मृदा वैज्ञानिक ने कहा, मिट्टी बनने में हजारों साल लगते हैं, लेकिन इसे नष्ट करने में केवल कुछ दशक। हम एक पीढ़ी में वह खो रहे हैं जो सहस्राब्दियों में बना था।

आशा की किरण- लेकिन हर अंधेरे में रोशनी की किरण होती है। देश भर में, किसानों, वैज्ञानिकों, और समुदायों ने मिट्टी को बचाने का बीड़ा उठाया था।

एक गांव में, किसानों के एक समूह ने पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों को मिलाकर मिट्टी का पुनर्जीवन शुरू किया। उन्होंने फसल चक्रण अपनाया—गेहूं के बाद दलहन, फिर सब्जियां। इससे मिट्टी को आराम मिला और पोषक तत्व वापस आए। हम अब रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर नहीं हैं, एक युवा किसान ने समझाया। 卐हम जैविक खाद, कम्पोस्ट, और हरी खाद का उपयोग करते हैं। शुरुआत में उपज थोड़ी कम हुई, लेकिन अब मिट्टी इतनी स्वस्थ हो गई है कि फसलें पहले से बेहतर हैं।

एक और समुदाय ने वृक्षारोपण अभियान चलाया। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधे रखती थीं, कटाव रोकती थीं, और कार्बनिक पदार्थ प्रदान करती थीं।

शहरों में बदलाव- शहरों में भी जागरूकता बढ़ रही थी। छतों पर बगीचे बन रहे थे। लोग किचन के कचरे से कम्पोस्ट बना रहे थे। स्कूलों में बच्चों को मिट्टी के महत्व के बारे में पढ़ाया जा रहा था।

एक रेस्तरां के रसोइये ने अपने ग्राहकों से कहा, आप जो टमाटर खा रहे हैं, उसका स्वाद इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस मिट्टी में उगा। स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ भोजन, स्वस्थ लोग—यह एक श्रृंखला है।

एक वास्तुकार ने ऐसी इमारतें डिजाइन करना शुरू किया जहां बारिश का पानी जमीन में वापस जा सके, मिट्टी को पोषण दे सके।

विश्व मृदा दिवस—एक संकल्प- हर साल 5 दिसंबर को, दुनिया भर में लोग मिट्टी के महत्व को याद करने के लिए एकत्रित होते हैं। इस दिन, किसान अपने खेतों में प्रार्थना करते हैं, वैज्ञानिक नई खोजों को साझा करते हैं, बच्चे पेड़ लगाते हैं, और समुदाय मिट्टी संरक्षण की प्रतिज्ञा लेते हैं। एक सभा में, एक बुजुर्ग ने कहा, हमारे पूर्वजों ने धरती को माता कहा था, और यह केवल एक उपमा नहीं थी। जैसे मां हमें पालती है, वैसे ही मिट्टी हमें जीवन देती है। जैसे हम अपनी मां का सम्मान करते हैं, वैसे ही हमें मिट्टी का सम्मान करना चाहिए।

छोटे कदम, बड़े बदलाव- लोगों ने सीखा कि हर कोई मिट्टी की रक्षा में योगदान दे सकता है:

किसान कम जुताई कर सकते हैं, जिससे मिट्टी की संरचना बरकरार रहे। वे आवरण फसलें उगा सकते हैं जो मिट्टी को ढके रखें। रासायनिक कीटनाशकों की जगह जैविक विधियां अपना सकते हैं।

शहरी लोग अपने कचरे को कम्पोस्ट में बदल सकते हैं। गमलों में पौधे उगा सकते हैं। स्थानीय, जैविक उत्पाद खरीद सकते हैं जो मिट्टी के अनुकूल तरीकों से उगाए गए हों। बच्चे अपने स्कूलों में बगीचे बना सकते हैं, दूसरों को शिक्षित कर सकते हैं, और अपने परिवारों में जागरूकता ला सकते हैं।

नीति निर्माता कानून बना सकते हैं जो मिट्टी के संरक्षण को बढ़ावा दें, किसानों को प्रोत्साहन दें, और हानिकारक प्रथाओं पर रोक लगाएं।

वापसी की यात्रा- कई वर्षों बाद, वही बंजर भूमि जहां धूल के बादल उठते थे, फिर से हरी-भरी हो गई। समुदाय के सामूहिक प्रयासों से, मिट्टी में जीवन वापस आ गया था। कीड़े रेंग रहे थे, पौधे फल-फूल रहे थे, और किसान फिर से मुस्कुरा रहे थे। वृद्ध महिला, जो अपनी बंजर भूमि के लिए रोई थी, अब अपने पोते-पोतियों को हरे-भरे खेतों में ले गई। देखो, उसने कहा, 卐जब हम धरती की देखभाल करते हैं, तो वह हमारी देखभाल करती है।

अनंत चक्र- शाम को, वृद्ध किसान फिर से अपने खेत में खड़ा था। सूर्यास्त की लाल रोशनी में, मिट्टी सोने की तरह चमक रही थी। उसने एक मुट्ठी मिट्टी उठाई और धीरे से जमीन पर छोड़ दी।

यह मिट्टी, उसने सोचा, 卐मेरे पूर्वजों के पसीने से सींची गई है, उनके प्यार से पोषित हुई है। अब यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं इसे अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखूं। रात आकाश में तारे चमकने लगे। मिट्टी में असंख्य सूक्ष्म जीव अपना काम जारी रखे, अथक, अदृश्य, लेकिन आवश्यक। यह जीवन का चक्र था—जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म। मिट्टी इस चक्र का केंद्र थी। विश्व मृदा दिवस केवल एक तारीख नहीं है—यह एक याद दिलाना है, एक चेतावनी है, और एक आशा है। यह हमें बताता है कि हमारे पैरों के नीचे केवल गंदगी नहीं है, बल्कि हमारा अतीत, वर्तमान और भविष्य है।

मिट्टी हमसे बहुत कम मांगती है—केवल सम्मान, संरक्षण, और पोषण। बदले में, यह हमें सब कुछ देती है—भोजन, पानी, हवा, आश्रय, सुंदरता, और जीवन।

प्रश्न यह है: क्या हम इस प्राचीन साझेदारी को याद रखेंगे इससे पहले कि बहुत देर हो जाए? क्या हम फिर से वह बनेंगे जो हम कभी थे—भूमि के स्वामी नहीं, बल्कि हमारे पैरों के नीचे के अनमोल खजाने के कृतज्ञ संरक्षक?

उत्तर हम सभी के हाथों में है, उसी मिट्टी में जो हमारे पैरों के नीचे है।

- वासवी राजू बरडे, नागपुर, महाराष्ट्र

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए :

पूर्व दिशा :

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा :

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें :

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा :

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें : यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें : सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें : सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप : यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अतः वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अतः घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं । अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।

संक्षिप्त समाचार

फॉस्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो एक्ट) सारंगढ द्वारा आरोपी बसंत सिदार को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया गया

सारंगढ़ (समय दर्शन) 4/12/2025 को न्यायालय माननीय अपर सत्र न्यायाधीश फॉस्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो एक्ट) सारंगढ़ श्री अमित राठौर के न्यायालय में थाना सरिया के अपराध में जो कि विशेष आपराधिक प्रकरण अंतर्गत पॉक्सो एक्ट क्र0. 27/2024 में आरोपी बसंत सिदार पिता रामराज सिदार निवासी ग्राम बार थाना सरिया जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ में जो कि नाबालिक पीडिता जिसकी उम्र- 18वर्ष,से कम आयु को शादी का प्रलोभन देकर बहला-फुसलाकर, भगा ले जाकर उसके साथ निरतर शारीरिक सबध स्थापित किया था। जिसके संबंध में उनके परिजन के द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराया गया था, जिस पर थाना - सरिया मे अपराध पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था । पीडित बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम होने पर प्रकरण लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 का पाये जाने से माननीय अपर सत्र न्यायाधीश फॉस्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट सारंगढ़ के द्वारा मामले का त्वरित विचारण कर सभी साक्ष्यों एवं गवाहों के बयान पर विचार करने के बाद आज आरोपी को भा.द.स. की धारा 363 के तहत 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया गया है एवं धारा 366 भा.द.स. के तहत 07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माना तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा-5 (ठ)/6 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया गया है। अदालत के द्वारा मामले की सवेदनशीलता को देखते हुए पीडिता के शारीरिक एवं मानसिक क्षति एवं पुनर्वास हेतु लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के अंतर्गत पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के तहत राज्य शासन को प्रतिकर भुगतान किये जाने की अनुशंसा की गई है। यह फैसला बाल सुरक्षा एवं यौन अपराध के खिलाफराज्य शासन एवं न्याय पालिका की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही लैगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रभावित करता है, इस प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रफुल्ल कुमार तिवारी ने अभियोजन का पक्ष रखते हुए पैरवी की।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में सुबह 7 से 11 और शाम 4 से 6 बजे तक भारी वाहनों के आवागमन पर रोक

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के आम जनों की सुरक्षा एवं दुर्घटना से बचाव को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्कूल समय में प्रात: 7 से 11 बजे तक और शाम को 4 से 6 बजे तक भारी वाहनों के आवागमन को आगामी आदेश पर्यंत तक प्रतिबंधित किया है। यह आदेश यात्री बसों को छोड़कर बाकी सब भारी वाहनों पर तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नवंबर 2025 में 5 .91 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने नवंबर 2025 में कुल 5,91,136 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें घरेलू बिक्री में 5,33,645 यूनिट्स और एक्सपोर्ट में 57,491 यूनिट्स शामिल हैं। HMSI ने नवंबर 2024 की तुलना में 25% साल-दर-साल (YOY) ग्रोथ दर्ज की। FY26 (अप्रैल-नवंबर 2025) की येर-टू-डेट (YTD) अवधि में, एचएमएसआईने कुल 42,32,748 यूनिट्स की बिक्री रिकॉर्ड की, जिसमें घरेलू बिक्री में 38,12,096 यूनिट्स और एक्सपोर्ट में 4,20,652 यूनिट्स शामिल हैं। एचएमएसआई के नवंबर 2025 के मुख्य **हाइलाइट्स:** रोड सेफ्टी:एचएमएसआई ने रोड सेफ्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए पूरे देश में नागपुर, नासिक, खम्मम, द्वारका, बोकारो, हल्द्वानी, करनाल, बहादुरगढ़, बीकानेर, कूच बिहार, शाजापुर, थेनी और बेलगाम सहित कई शहरों में जागरूकता अभियान आयोजित किए। इन अभियानों के जरिए इंटरएक्टिव लर्निंग के माध्यम से जिम्मेदार रोड व्यवहार को प्रोत्साहित किया गया।एचएमएसआई ने बच्चों का माह भी मनाया:एचएमएसआई ने अपने सभी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स, 10 ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क्स (TTPs) और 6 सेफ्टी ड्राइविंग एजुकेशन सेंटर्स (SDECs) में किड्स कार्निवल आयोजित किया।

एन एस एस शिविर के अंतर्गत लगा स्वास्थ्य शिविर 114 ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य लाभ

मटंग स्कुल में एन एस एस शिविर के तीसरे दिन हुए विविध कार्यक्रम

सेलुद (समय दर्शन)। चन्दूलाल चन्द्राकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन द्वारा ग्राम कैसस मटंग में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के आयोजन के तीसरे दिन कार्यक्रम की शुरुवात प्रात: पाँच बजे प्रभातफेरी से हुई। प्रभातफेरी के तत्पश्चात योग, आणायाम एवं शारीरिक व्यायाम, खवं प्रेरक वचनों के माध्यम से स्वयं-सेवकों को स्वास्थ्य के जागरकता प्रदान किए। तत्पश्चात परियोजना कार्य 8.30 बजे प्रारंभ किया गया। परियोजना कार्य के प्रथम चरण में स्वच्छता ही सेवा है, संस्कार स्वच्छता, स्वभाव स्वच्छता थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का आरंभ प्राथमिक शाला परिसर -सफाई से हुआ। गार्डन, मुख्य द्वारा, प्राथमिक शाला प्रागंण, सार्वजनिक मंच एवं शाला मुख्यद्वार की साफ सफाई ,सेलूद रोड में ग्रामीण सड़के के किनारे, सतनामी पारा में गली, नालियों एवं जैतखाम , गाडाडीह मुख्य रोड के किनारे सफाई कार्य को पूर्ण किया। सफाई अभियान के पश्चात परियोजना कार्यक्रम के दूसरे चरण मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन के उप स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ाडीह के संयुक्त सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन विया गया जिसमें कुल 114 नागरिकों , विद्याथियों व स्वयं सेवको का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निशुल्क दवाई का वितरण किया गया ।

बौद्धिक परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी. एम. कठौतिया (खण्ड चिकित्सा अधिकारी) एवं श्रीमती सावित्री अग्रवाल (क्रा।ह्न), श्री मिथलेश साहू (क्र-।ह्न), श्री अंटेश्वर साहू (क्रा।ह्न) श्री??? अंजू निशा शर्मा (क्र॥.ह्न.), श्रीमती मौसमी गौरे (क्रा।ह्न) श्री नील कमल साहू (क्रा।ह्न) एवं श्री उत्तम मधुकर (सुपरवाइजर) श्रीमती चित्ररेखा देवांगन (रु॥.ङ्क.) एवं आँख रोग विशेषरा डॉ. एम आर शेख विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य पान केन्द्र व उपस्वास्थ्य केन्ड गाड़ाडीह से पधारे सावित्री अग्रवाल ने महिला संबंधी रोग के बारे को जानकारी दी। उन्होने अपने उद् ?बोधन में महिलो के मासिक धर्म के अनियमितता, स्तन संबंधी जानकारी, स्त्रीगुप्त रोग मुंह के बले, केन्सर एवं मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होने मानसिक रोगियों के लक्षण, परिणाम । समाधान को अच्छे से समझाया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन, आत्महत्या, गलत आचरण, नींद न आना चिडचिडापन गुस्सा होना, ठीक से खाना न खाना मत न लगना जैसे लक्षण मानसिक रोगी के लक्षण है। उन्होंने मानसिक रोगों के निवारण के लिए भरपूर नींद लेने अच्छा भोजन करना, सामाजिक रहने दोस्तो के बातें करना नशा न करना जैसे साधन उन्होंने बताया । विशिष्ट अतिथि श्री उत्तम मधुकर (सुपरवाइजर) के आज के स्वास्थ्य शिविर के संदर्भ में विस्तार जानकारी दी। श्रीमती चिवरे वा देवांगन जी ने द्वस्त्रह्य रोग के कारण लक्षण एवं उपाय बताया वहीं श्रीमती अंजू निशा वर्मा (क्रा।ह्न) ने सिकलिम के कारण एवं उनसे होने वाले नुकसान से अवगत कराया । । प्रो. डी. के भारद्वाज ने बताया कि रक्त ही हमारा शरीर है卐 आगे कहा कि रक्त है-तो शरीर है रक्त नहीं रहेगा तो, शरीर नहीं रहेगा, संध्या को सांस्कृतिक कार्यकम चाक सुमित, दिपिका, खुशी कु0 डिम्पल, सुजाता, मोमिन, कुमकुम ने समूह नृत्य प्रस्तुत किए

थाना अर्जुन्दा ग्राम अर्जुन्दा में हुए अंधे कत्ल का खुलासा

आरोपी द्वारा मृतक के गले में चमड़े के बेल्ट से कसकर की गई हत्या

हत्या का आरोपी पवन कुमार कंवर को पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

घटना के बाद से पुलिस द्वारा लगातार गांव में कैंप किया गया।

सीसीटीवी फुटेज से मिला आरोपी का सुराग।

बालोद (समय दर्शन)। दिनांक 30.11.2025 को सूचना प्राप्त हुई की ग्राम अर्जुन्दा दिवान अंडा दुकान के बाजू अर्जुन्दा में दूर्गेश देवांगन की लाश मृत अवस्था में पड़ी है कि सूचना पर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को हालात से अवगत कराकर थाना अर्जुन्दा व साइबर सेल की टीम घटना स्थल हेतु रवाना हुए मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित करने पश्चात पुलिस डॉग स्क्वॉड एवं एफएस.एल. वैज्ञानिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। सभी दलों के आने उपरांत घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञों के राय उपरांत प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने से थाना अर्जुन्दा में मर्ग कायम कर प्रकरण में अपराध क्रमांक 158/2025 धारा 103 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया ।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति मोनिका ठाकुर, एसडीओपी गुण्डरेदही श्री राजेश बागड़े के पर्यवेक्षण में थाना अर्जुन्दा व सायबर सेल की विशेष टीम गठित किया गया। उक्त टीम को विवेचना क्रम में ज्ञात हुआ कि दादू उर्फ दुर्गेश देवांगन पिता संतोष देवांगन अर्जुन्दा जो लवली बिरयानी सेन्टर का संचालक का बेटा था जो अपने स्कूल का दोस्त पवन कुमार कंवर ग्राम तेलीटोला के साथ आकर बिरयानी खाने के लिये बाहर फर्स से बने चबुतरा में बैठा था और दोनो शराब पीलाने की बात को लेकर आपस में बहस होता है और पवन कुमार कंवर के द्वारा अपने पास रखे चमड़े के बेल्ट से दादू उर्फ दूर्गेश देवांगन को गला में फंसाकर गला कसकर मृत्यु कारित कर देता है, और चुपचाप मृतक दादू उर्फ दूर्गेश देवांगन को फर्स से बने बैठने वाले पत्थर पर सुलाकर आरोपी पवन कुमार कंवर चुपचाप बिरयानी लिखा हुआ ठिहा में जा कर सो जाता है। प्रकरण में लोकल संसूचना एवं सीसी टीव्ही फुटैज के आधार पर बिरयानी सेंटर में आने जाने वाले व्यक्ति की पहचान कर एवं मृतक से बैठे हुऐ व्यक्ति की पहचान कर सभी से पुछताछ करने से यह ज्ञात हुआ कि आरोपी पवन कुमार कंवर के द्वारा मृतक दादू उर्फ दूर्गेश देवांगन का हत्या करना स्वीकार किया। अपराध सबूत पाये जाने पर दिनांक 03.12.2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया है।

उक्त अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में थाना प्रभारी अर्जुन्दा उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू, सायबर सेल प्रभारी सउनि धरम भूआर्य, सउनि हुसैन ठाकुर, प्र0आर0 कोमलाल सोनबोइर, प्र0आर0विवेक शाही, आरक्षक पंकज तारम,भोप सिंह साहू, विपिन गुप्ता, आकाश सोनी, आकाश दुबे,पूरन प्रसाद, मिथलेश यादव, योगेश पटेल, गुलझारी साहू, का विशेष योगदान रहा।

गिरफ्तार आरोपी का नाम व पता-

1. पवन कुमार कंवर पिता अग्र कुमार उम्र 27 वर्ष साकिन ग्राम तेलीटोला थाना सूरेगांव जिला बालोद (छ.ग.)

पाटन विकासखण्ड में धान खरीदी केन्द्रों में किसानो की समस्या का समाधान की मांग

रानीतराई धान खरीदी केंद्र में 8 दिसबर को धेराव

पाटन (समय दर्शन)। ब्लाक कांग्रेस कमेटी जामगांव के तत्वावधान में धान खरीदी को लेकर जिला कलेक्टर एवं कृषि मंत्री के नाम पर ज्ञापन पाटन अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा गया।वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था में गभीर अनियमितताए एवं अव्यवस्थाएँ पाटन ब्लॉक के अधीनस्थ धान खरीदी केन्द्रों में विभिन्न समस्या सामने आई है।जिसमे ऑनलाइन व ऑफलाइन टोकन वितरण में व्यापक समस्या,किसानों को समय पर टोकन प्राप्त न होने से आर्थिक नुकसान और भीडभाड की स्थिति।धान खरीदी लिमिट में सरलीकरण किया जाय।धान विक्रय हेतु पंजीयन में परेशानी का निराकरण।धान खरीदी केन्द्रों में प्रतिदिन की खरीदी लिमिट को बढ़ाया जावे। उक्त समस्याओं के समाधान की दिशा में किसी भी प्रकार की प्रभावी कार्यवाही नहीं होने के कारण किसानों द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा रानीतराई का घेराव दिनांक 08.दिसंबर को दिन सोमवार को करने तथा इस दौरान माननीय कृषि मंत्री एवं सहकारिता मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है।

विधायक प्रतिनिधि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, ब्लाक अध्यक्ष राजेश ठाकुर दिनेश साहू जनपद सदस्य भेद प्रकाश वर्मा ईश्वर निषाद सरपंच ,रूपचंद साहू भक्तु राम गायकवाड़,के के साहू, ढालसिंह चक्रधारी सहित कांग्रेश कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीईओ छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में है 12 राज्यों के 2003 की मतदाता सूची

एसआईआर फार्म भरने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर

मतदाता सूची 2003 के रिकार्ड ढूंढने के लिए मीडिया नोडल अधिकारी ने दी जानकारी

सारंगढ़ बिलाईगढ़,(समय दर्शन) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारत के 12 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश (अंडमान निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडू, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल) में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को पूरा करने के लिए 11 दिसंबर 2025 तक वृद्धि किया गया है। पूर्व में इस कार्य के लिए अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025 था। मतदाता सूची 2003 के रिकार्ड नहीं ढूंढ पा रहे देश के उन असंख्य लोगों की सुविधा के लिए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के मीडिया नोडल अधिकारी देवराम यादव ने वीडियो शेयर कर जानकारी दिया है, जिसमें क्रमवार कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल आदि में सर्च कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट सीईओ छत्तीसगढ़ में 12 राज्यों की 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध है। सबसे पहले गूगल में सीईओ छत्तीसगढ़ को ढूंढना होगा। वहां मतदाता सूची 2003 लाल कलर की बैकग्राउंड लाइट के साथ होमपेज में उपलब्ध है, उसे क्लिक करने पर हरा कलर की बैकग्राउंड लाइट को क्लिक करने पर दो भाग में जानकारी खुलेगा, जिसमें लेफ्ट साइड मतदाता की जानकारी दी गई है और राइट साइड लास्ट एसआईआर की सूची उपलब्ध है, जिसमें हमें राइट साइड को क्लिक करना है और राज्य, जिला, विधानसभा, मतदान केन्द्र का नाम क्लिक कर हम अपने मतदाता सूची 2003 के रिकार्ड डाउनलोड कर एसआईआर के काम को पूरा कर सकते हैं।

जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया का 'मिडनाईट कार्निवल' शुरू हुआ, ग्राहकों को जश्न में शामिल होने का दिया निमंत्रण

जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने पूरे देश में अपना मिडनाईट कार्निवल शुरू किया है। यह कार्निवल 5 से 7 दिसंबर, 2025 तक एमजी की संपूर्ण वाहन श्रृंखला के लिए है। इस कार्निवल के दौरान सभी एमजी शोरूम तीन दिनों के लिए आधी रात तक खुले रहेंगे, ताकि ग्राहकों को अपने परिवार एवं दोस्तों के साथ डीलरशिप पर आकर एमजी वाहन खरीदने के लिए ज्यादा सुविधा और समय मिल सके। यहाँ पर उन्हें बिल्कुल जश्न और त्योहार जैसा अनुभव प्राप्त होगा। मिडनाईट कार्निवल से इनोवेशन और यादगार ओनरशिप अनुभवों के साथ ग्राहकों पर केंद्रित रहने की जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। शोरूम के खुले रहने का समय बढ़ाकर और डीलरशिप में दिलचस्प गतिविधियाँ पेश करके इस ब्रांड का उद्देश्य कार की खरीददारी के अनुभव को एक खुशनुमा और परिवारों के अनुकूल जश्न में तब्दील करना है। इस बारे में, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा, ''जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया में हम बेहतरीन अनुभवों के लिए कारों से आगे बढ़कर सेवाएं देने में यकीन रखते हैं। यह साल हमारे ब्रांड में ग्राहकों के विश्वास और प्यार का प्रमाण है। मिडनाईट कार्निवल के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि मिडनाईट कार्निवल के दौरान शुरू हुआ हर नया सफर हमारी ओर से एक विशेष उपहार के साथ यहाँ से जाए। इसके माध्यम से हम अपने बढ़ते हुए समुदाय को धन्यवाद कहना और खुशी फैलाना चाहते हैं। मिडनाईट कार्निवल के अंतर्गत, ग्राहकों को 11 करोड़ रुपये तक के निश्चित उपहार मिलेंगे। वो लंदन ट्रिप, 3 दिन/2 रात का निश्चित होलिडे वाउचर, और दिलचस्प स्क्रैच-एंड-विन रिवार्ड जीत सकते हैं*। इसमें गैजेट्स और लाईफस्टाईल गिफ्ट होंगे।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने बरमकेला, साल्हेओना, बरगांव, कंचनपुर में जल आवर्धन के कार्यों का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने सभी ठेकेदारों को काम मे तेजी लाने और श्रमिक बढ़ाने के निर्देश दिए, डॉ संजय कन्नौजे ने पाइप लाइन बिछाने के बाद उसे अच्छे से कांक्रीटीकरण करने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने जल शुद्धिकरण और टंकी के आसपास फैले गंदगी को सफाई करने और अहाता निर्माण करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) / कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला ब्लॉक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का आकस्मिक अवलोकन किया, जिससे कई सालों से बंद पड़े जल आवर्धन जल योजना के कार्यों में जल्द से जल्द कार्य पूर्ण होने की सम्भावना बढ़ गई है।

कलेक्टर ने बरमकेला में जल शुद्धिकरण और टंकी के निरीक्षण के दौरान वहां आसपास फैले गंदगी फैले को सफाई करने और चारो तरफ अहाता निर्माण कराने के साथ साथ जल्द से जल्द काम प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बरमकेला शहर के अंदर चल रहे पाइप लाइन कार्य का निरीक्षण करते हुए डॉ संजय कन्नौजे ने पाइप लाइन बिछाने के बाद उसे अच्छे से कांक्रीटीकरण करने के निर्देश दिए ताकि आने जाने वाले वाहनों को दिक्कतो का सामान ना करना पड़े। बरगांव, कंचनपुर में बन रहे सरिया अमृत मिशन 2.0 योजना और समूह जल प्रदाय योजना से बन रहे इंटेक का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने ठेकेदार को काम मे तेजी लाने और श्रमिक बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने साल्हेओना में चल रहे समूह योजना के तहत जल शुद्धिकरण सयंत्र के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और उसे भी जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिए। दौरे में जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे, सरिया सीएमओ उपस्थित थे।

खबर-खास

मिंत्रा की प्रमुख फैशन ईवेंट एंड ऑफरीज़न सेल का 23वां संस्करण 5 दिसंबर से शुरू

भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल डेस्टिनेशन, मिंत्रा की प्रमुख फैशन ईवेंट, एंड ऑफ रीज़न सेल का 23वां संस्करण आज 5 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इसमें 10,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और स्वदेशी ब्रांड्स के 6 मिलियन से ज्यादा स्टाईल्स उपलब्ध होंगे। इस बार ईओआरएस में ग्राहकों को हाई-क्वालिटी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल कलेक्शन प्राईस क्रैश अभियान के अंतर्गत बेहतरीन मूल्यों में प्राप्त होगा। 23वें ईओआरएस के बारे में भरत कुमार हेड ऑफ रेवेन्यू एंड ग्रोथ, मिंत्रा ने कहा ईओआरएस भारत के फैशन कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण समय है। हमें खुशी है कि ईओआरएस-23 के दौरान हम ग्राहकों के लिए ट्रेंड-फॉरवर्ड स्टाईल के विस्तृत कलेक्शन असाधारण मूल्यों में लेकर आए हैं। इस एडिशन में कई नए लॉन्च और बेहतरीन सीज़नल कलेक्शन के साथ शॉपिंग का शानदार अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही हाईपर-स्पीड डिलीवरी और टेक पर आधारित दिलचस्प फॉर्मेट ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएंगे। शादियों, ईयर-एंड जश्न, सर्दियों, यात्राओं और गिफ्टिंग की तैयारी करने वाले ग्राहकों को ईओआरएस-23 में उचित मूल्य में बेहतरीन कलेक्शन उपलब्ध होगा, ताकि हर शॉपर को अपनी जरूरत के अनुरूप सबसे बेहतर प्रोडक्ट मिल सके।'' मिंत्रा के विशेष समुदाय को ईओआरएस-23 की आकर्षक डील वीआईपी-ओनली स्पेशल ऑफर, समर्पित वीआईपी वीकेंड बेनेफिट्स और अतिरिक्त लाभों के साथ प्राप्त होंगी। शॉपर्स तेजी से डिलीवरी पाना पसंद करते हैं, इसलिए मिंत्रा इस बार ईओआरएस के दौरान ग्राहकों को उनके ऑर्डर ज्यादा से ज्यादा तेजी से पहुँचाने वाला है।

नथिंग फ़ोन (3ए) लाइट अब सेल में नए ब्लू कलर में उपलब्ध, कीमत 19,999 से शुरू

गुरुग्राम: लंदन-बेस्ड टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने अपने स्मार्टफोन फ़ोन (3ए) लाइट की सेल 05 दिसंबर 2025 से शुरू होने की घोषणा की है। इंडिया लॉन्च के दौरान कंपनी ने क्लासिक ब्लैक और व्हाइट के साथ एक नया ब्लू कलर ऑप्शन भी पेश किया है। इस डिवाइस में नथिंग का सिग्नेचर ट्रांसपेरेंट डिज़ाइन, 6.77 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल मेन कैमरा जो ट्रूलेंस इंजन 4.0 से लैस है, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 प्रो चिपसेट और 5000 mAh बैटरी दी गई है। इस स्मार्टफ़ोन की कीमत 20,999 रखी गई है, जो बैंक डिस्काउंट के बाद 19,999 (8जीबी + 128जीबी वैरिएंट) में खरीदा जा सकेगा। फोन (3ए) लाइट अब भारत में फ़्लिपकार्ट, विजय सेल्स, क्रोमा और अन्य प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। फोन (3ए) लाइट नथिंग की ट्रांसपेरेंट एस्थेटिक को आगे बढ़ाता है और इसमें IP54 रेज़िस्टेंस, एल्यूमिनियम इंटरनल फ्रेम और एक रिफाइंड, लाइटवेट बिल्ड दिया गया है। इसमें 6.77-इंच का फ़्लेक्सिबल एमोलेड डिस्प्ले मिलता है, जिसमें 120 हर्ट्ज़ एडैप्टिव रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स पीक एचडीआर ब्राइटनेस शामिल है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्र./ /अ-6/2025-26 रायपुर, दिनांक 04/12/2025
ग्राम भनपुरी, प0ह0नं0 39
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिकागण 01. श्रीमती गीता सरकार पति स्व. शुभेन्द्र सरकार, 02. श्री स्वपन सरकार पिता स्व. शुभेन्दु सरकार, 03. श्रीमती ताप्ति डे पिता स्व: शुभेन्दु सरकार पति स्व. अनिक डे सभी निवासी म.नं. 1423, विजय नगर भनपुरी रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, आवेदिकागण के पति/पिता स्व. शुभेन्दु सरकार पिता स्व. जी.एन. सरकार के नाम पर ग्राम भनपुरी, प.ह.नं. 39, तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 364/8 रकबा 0.0180हे. अर्थात 1900 वर्गफुट भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिकागण के पति / पिता/खातेदार स्व. शुभेन्दु सरकार पिता स्व. जी.एन. सरकार की मृत्यु दिनांक 08/05/2021 को हो गयी है। मृतक खातेदार स्व. शुभेन्दु सरकार पिता स्व. जी.एन. सरकार के विधिक वारिसानगण 01. श्रीमती गीता सरकार पति स्व. शुभेन्द्र सरकार, 02. श्री स्वपन सरकार पिता स्व. शुभेन्दु सरकार, 03. श्रीमती ताप्ति डे पिता स्व. शुभेन्दु सरकार पति स्व. अनिक डे है, अन्य कोई नहीं। अत: आवेदित भूमि में से मृतक खातेदार स्व. शुभेन्दु सरकार पिता स्व. जी.एन. सरकार का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानगण का नाम दर्ज किये जाने निवेदन किया गया है।

अत: आवेदिकागण का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 19/12/2025 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

नगर पालिका कवर्धा के वार्ड 17 में सीसी रोड व नाली निर्माण भूमिपूजन किया

नपा अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ने किया भूमिपूजन।

कवर्धा (समय दर्शन)। वार्ड क्रमांक 17 में होली क्रॉस स्कूल से लेकर पेट्रोल पंप (बिलासपुर रोड) तक जर्जर हो चुकी सड़क और नाली निर्माण कार्यों का सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने वार्डवासियों के साथ भूमिपूजन किया। वर्षों से खराब सड़क और नाली की समस्या के कारण लोगों को बहुत परेशानी हो रही थी। खराब सड़क में आवाजाही और भी मुश्किल थी। क्षेत्रवासियों की लंबी मांग और जनहित को ध्यान में रखते हुए अब इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति के बाद भूमिपूजन भी किया गया।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि निर्माण कार्यों हेतु सीसी रोड के लिए 23.70 लाख रुपए तथा नाली निर्माण के लिए 16.07 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं, जिससे वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में

महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा तथा लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक सड़क व्यवस्था प्राप्त होगी।

वार्डवासियो ने जताया आभार- वार्डवासियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जनमानस की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देकर विकास कार्यों की शुरुआत करना सराहनीय पहल है। भूमिपूजन कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी के साथ उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापति पार्षद बिहारी राम धुर्वे, रिंकेश वैष्णव, उपमुख्यमंत्री कार्यालय से नरेंद्र मानिकपुरी, प्रवीण परिहार, अनिल साहू, हरीश कुंभकार, जसवंत छाबड़ा, विजय लक्ष्मी तिवारी, तिलक कुर्रे, प्रमोद कुमार शुक्ला, कुमार कश्यप, उमेश कुंभकार, केशव जायसवाल, विनोद जायसवाल, जीवन मल्लाह, बलराम पाली सहित अधिक संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

छग आदिवासी विकास परिषद ने केते की संरक्षित वन भूमि को सामान्य वनक्षेत्र बनाने का विरोध जताया

नवनियुक्त प्रदेश युवा अध्यक्ष बने कामू बैगा।

कवर्धा (समय दर्शन)। छग आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष केआर शाह ने कहा कि छग शासन ने केते जंगल के 1472 हेक्टेयर संरक्षित वन भूमि को सामान्य वन क्षेत्र घोषित किया है। इसका आदिवासी विकास परिषद विरोध करता है। क्योंकि छग की धरती पर हसदेव अरण्य के जंगलों में भगवान श्री राम का वास रहा है अरण्य के जंगलों पर प्रभु श्रीराम का रामगढ मंदिर को भी खतरा है। वहीं हमें डर है कि संरक्षित भूमि से हटाकर सामान्य वन भूमि कर दिया गया है। भविष्य में यहां के पेड़ पौधे की कटाई कर अन्य खनन का काम भी शुरू न हो गाए। साथ ही लाखों पशुओं का बसेरा रहा है, वे भी बेघर न हो जाए।

विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष श्री शाह ने स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में चर्चा के दौरान कहा कि उक्त बातों को ध्यान में

रखते हुए तत्काल छग शासन द्वारा किया गया 1472 सामान्य वन भूमि को पुन: संरक्षित वन भूमि किया जाए। इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम पर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। इसके बाद भी यदि सरकार हमारी मांग को पूरा नहीं करती है तो विकास परिषद सड़क पर उतरकर आर पार की लड़ाई लड़ेगी। इसके बाद भी यदि जरूरत हुई तो सुप्रीम कोर्ट में भी जाकर न्याय की गुहार लगाएंगे।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कामू बैगा ने बताया कि जल्द ही पूरे राज्य में प्रदेश स्तरीय संगठन का विस्तार किया जाएगा। उन्होने छग की आम जनता से भी अपील की है कि केते की 1742 हेक्टेयर वनभूमि को बचाने के लिए आदिवासी विकास परिषद को सहयोग दें।

इस दौरान रोशनी मेरावी, सुशील ध्रुर्वे, चंदन सिंह ध्रुर्वे, गणेश ध्रुर्वे, साहिल मरकाम, गोविंद ध्रुर्वे, हेमलाल मरकाम, मनीष यादव, सुरेश ध्रुर्वे, राजू सिंह पवार, ओमकार सिंह सिंद्राम, उत्तम नेताम, रामभरोसा, लक्ष्मण, राममोहन, सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाजपा सरकार आर्थिक कुप्रबंधन का पूरा भार जनता पर डाल रही- चोवाराम

नई गाइडलाइन, रजिस्ट्री और टैक्स बढ़ोतरी से गरीब व किसानों की बढ़ेगी परेशानी

कवर्धा (समय दर्शन)। राज्य सरकार द्वारा भूमि संबंधी गाइडलाइन दरों में कई गुना की वृद्धि, 5 डिसमिल से कम भूमि की रजिस्ट्री पर रोक, रजिस्ट्री शुल्क में बढ़ोतरी और टैक्स वृद्धि के निर्णयों ने प्रदेश सहित जिले के किसानों, गरीबों, मजदूरों, युवाओं और रियल स्टेट सेक्टर पर बड़ा आर्थिक बोझ डाल दिया है। यह प्रदेश की भाजपा सरकार का एक जनविरोधी निर्णय है।

कृषि उपज मण्डी कवर्धा के पूर्व उपाध्यक्ष चोवाराम साहू ने उक्त बातें जारी बयान में कहीं। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने आर्थिक कुप्रबंधन का

पूरा भार जनता पर डाल दिया है। भाजपा की सरकार ने जमीन संबंधी गाइडलाईन में संशोधन कर उसे इस कदर बढ़ा दिया है कि अब लोगों के लिए जमीन, मकान और दुकान खरीदना असंभव हो गया है। छोटे प्लॉट की रजिस्ट्री रोककर गरीबों का घर छीनने का काम हो रहा है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह जनविरोधी नीतियों पर चल रही है। इससे पूर्व सरकार ने मुफ्त बिजली योजना बंद की थी और जब इसका उपभोक्ताओं सहित कांग्रेस ने पुरजोर विरोध किया तो सरकार ने 200 यूनिट तक हॉफबिजली बिल किए जाने का निर्णय लिया। लेकिन इसकी भरभाई करने के लिए तत्काल नई भूमि संबंधी गाइड लाईन जारी कर दी। श्री साहू ने कहा कि सरकार का यह फैसला सीधे सीधे किसान और आदिवासी समाज पर हमला है।

श्री साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन की गाइडलाइन अनाप शनाप बढ़ाकर किसान को उसकी अपनी जमीन से दूर किया जा रहा है। कृषि भूमि की बढ़ी हुई सरकारी दर किसानों के लिए भारी संकट बन जाएगी। वहीं रजिस्ट्री शुल्क बढ़ने से निर्माण कार्य रुकेंगे और बेरोजगारी तेजी से बढ़ेगी। लाखों मजदूर और युवा प्रभावित होंगे। सरकार रोजगार देने की बजाय रोजगार छीनने का काम कर रही है। यह निर्णय युवाओं के भविष्य के खिलाफहै।

क्रोमा में एयर प्यूरीफायर की मांग पिछले साल के मुकाबले 30 प्रतिशत से बढ़ी

मुंबई : भारत के विश्वसनीय ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर और टाटा समूह के एक सदस्य, क्रोमा ने ने अपने ऑनलाइन और ऑफ्लाइन चैनल्स में 2025 की बिक्री के आंकड़ों के आधार पर एयर प्यूरीफायर खरीद के बारे में जानकारी जारी की है। यह डेटा दर्शाता है कि एयर प्यूरीफायर की मांग भारत के किन क्षेत्रों में सबसे अधिक थी। बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं, उपभोक्ताओं के खरीदारी निर्णयों पर डिज़ाइन और तकनीक के प्रभाव के बारे में भी इसमें जानकारी मिलती है। यह जानकारी उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों और बाजार के रुझानों को भी समझने में मदद करती है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रोमा में हुई एयर प्यूरीफायर की कुल बिक्री में से 72 प्रतिशत दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हुई, जो वहाँ की लगातार खराब हवा की गुणवत्ता की चुनौतियों के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया को दर्शाती है। महाराष्ट्र 12 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, और कर्नाटक में 4 प्रतिशत बिक्री थी। यह आँकड़े संकेत देते हैं कि अन्य राज्यों में भी वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता और एयर प्यूरीफायर अपनाने की प्रवृत्ति धीरे-धीरे बढ़ रही है।

ज़्यादा से ज़्यादा उपभोक्ता HEPA फिल्टर चुन रहे हैं, क्योंकि उनमें धूल, पराग, और फफूँद जैसे हवा में मौजूद कणों को हटाने की क्षमता होती है। प्रदूषकों और गंधों से व्यापक सुरक्षा के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा (pre-filters, सक्रिय कार्बन फिल्टर, और ङ्क्ष्ट LED तकनीक के कॉम्बिनेशन) वाले उन्नत मॉडल भी कई खरीदारों ने चुने हैं। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा, एयर प्यूरीफायर अब विशिष्ट या केवल मौसमी उत्पाद के तौर पर नहीं देखे जाते हैं, बल्कि ये पूरे साल की एक अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं, खासकर दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में उपभोक्ताओं के लिए। क्रोमा में, हमारा मुख्य ध्यान उपभोक्ताओं को उनके कमरे के आकार, बजट और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के आधार पर सही प्यूरीफायर चुनने में मार्गदर्शन करने पर केंद्रित है। हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि उपभोक्ताओं को उन्नत तकनीक और उनके घरों में आसानी से फिट होने वाले डिज़ाइन आसानी से मिल सकें।

उपभोक्ताओं ने 'सफेद' रंग को सबसे ज़्यादा पसंद किया है। एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत भर में बेचे गए 77 प्रतिशत एयर प्यूरीफायर सफेद रंग के थे, इसके बाद 19ल काले और 4ल मेटैलिक शेड्स के थे। यह आंकड़ें बताते हैं कि उपभोक्ता अभी भी न्यूट्रल, मिनिमलिस्ट रंगों को पसंद करते हैं जो घर की अधिकांश सजावट के साथ आसानी से घुलमिल जाते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि 5,000 से 15,000 रुपये की बजट रेंज मात्रा के हिसाब से सबसे बड़ा सेगमेंट है, इस सेगमेंट में कुल एयर प्यूरीफायर बिक्री में क्रोमा का हिस्सा 49ल का रहा है। सुपर-प्रीमियम सेगमेंट में क्रोमा में हुई बिक्री का हिस्सा 36 प्रतिशत रहा है, जो अगली बड़ी श्रेणी है, जो दर्शाता है कि अधिक उपभोक्ता बेहतर कवरेज और स्मार्ट सुविधाओं वाले उच्च-स्तरीय उत्पादों में निवेश करने के लिए तैयार हैं। फिलिप्स और डायसन ने मिलकर 2025 में क्रोमा में एयर प्यूरीफायर की कुल बिक्री का 84 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जो इस श्रेणी में उनके नेतृत्व को मज़बूत करता है।

कलेक्टर बी.एस.उइके ने धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

परिवहन वाहनों के फोटो अपलोड,सही तौल, व्यवस्थित स्टेकिंग और बारदाना प्रबंधन को लेकर दिए सख्त निर्देश

गरियाबंद। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी,सुचारु एवं किसान-हितैषी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज नागाबुड़ा, परसुली,छुरा एवं चरौदा धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों पर चल रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री उइके ने नागाबुड़ा केंद्र के समिति प्रबंधक को किसानों द्वारा धान परिवहन वाले वाहनों के लाइव फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड करने तथा शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान बोरे की गिनती, तौल एवं उठाव को निर्बाध रखने, व्यवस्थित ढंग से स्टेकिंग करने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। किसानों की सुविधा को देखते हुए समिति द्वारा प्रतिदिन धान खरीदी की मात्रा बढ़ाने की मांग पर हेमालों की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश भी दिए।कलेक्टर ने मिलों में बारदाना की गुणवत्ता की जांच के पश्चात ही उठाव करने, फटे एवं खराब बारदाना लौटाने और बारदाना की मात्रा पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने

पतला,मोटा एवं पान-सरना धान के अलग-अलग स्टेक बनाकर प्रत्येक स्टेक पर बोरियों की संख्या सहित स्पष्ट सूचना चस्पा करने को कहा। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र चरौदा में किसान गैंदलाल यादव से चर्चा कर उनके फसल के उत्पादन की स्थिति एवं केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।उन्होंने तौल में शुद्धता,संपूर्ण उपार्जित धान के विक्रय तथा कम पैदावार की स्थिति में बिक्री पश्चात रकबा समर्पण कर पोर्टल में एंट्री अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो।बारदाना के उपलब्धता, रख-रखाव एवं एंट्री पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।जिन समितियों द्वारा पीडीएस दुकान का संचालन किया जा रहा है,वहां रिक्त बोरियों की एंट्री भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परसुली केंद्र पर गलत स्टेकिंग एवं स्थान की कमी एवं सीमितता को देखते हुए हेमालों में बढ़ोत्तरी और सही तौल के निर्देश दिए गए। वनोपज जांच केंद्र,चरौदा में अवैध धान परिवहन रोकने हेतु गठित टीम से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने वाहनों का पंजीयन,सतत निगरानी और नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएंगी तथा सभी केंद्रों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बरसात की संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्रों में भंडारित धान को सुरक्षित रखने हेतु पर्याप्त एवं गुणवत्तायुक्त त्रिपाल की उपलब्धता और उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कि धान को जमीन से ऊंचाई पर उचित ढंग से स्टेकिंग कर सुरक्षित रखा जाए, ताकि नमी एवं वर्षा कि स्थिति निर्मित होने पर क्षति न हो।

जनता की सेवा, सुरक्षा, सशक्तिकरण, सम्मान और सतत विकास पथ पर अग्रसर पंडरिया- भावना बोहरा

विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा के सतत विकास के दो वर्ष पूरे

कवर्धा (समय दर्शन)। तीन दिसंबर 2023 को छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को अपना स्पष्ट जनादेश देते हुए छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति एवं दिशा दी। इन विगत दो वर्षों में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भी 2 वर्षों में पंडरिया विधानसभा अंतर्गत विकास को नई गति दी, भावना दीदी की गारंटी उन्होंने जनता की सेवा, सुविधा, सम्मान और सुगमता के लिए किए। अपने संकल्पों को धरातल पर उतारा है जिससे आज वहां स्वास्थ्य,शिक्षा, सशक्तिकरण, विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों से एक नए विकसित पंडरिया का निर्माण हो रहा है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि सेवा, संवेदना, सशक्तिकरण और सतत विकास के दो वर्ष पूर्ण के अवसर पर मुझे अपनी सेवा एवं पंडरिया विधानसभा के विकास का सौभाग्य प्रदान करने के लिए मैं विधानसभा के मेरे परिवारजनों एवं अपने जनादेश से प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के लिए समस्त प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। मैं केन्द्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और उन सभी हजारों देवतुल्य कार्यकर्ताओं का भी आभार जो दिन-रात मेरे साथ इस सफ़र में कदम से कदम मिलकर पूरे समर्पण भाव से कार्य किया। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रु. की आर्थिक सहयता, 3100 रु. में किसानों से धान खरीदी, दो वर्ष का बकाया बोनस, युवाओं के लिए सरकारी नौकरी,शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र अभूतपूर्व कार्य, विकास व अधोसंरचना निर्माण से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने का अतुलनीय कार्य हुआ है। दो वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या चरम पर थी और आज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अब प्रदेश में लाला आतंक

समाप्ति की ओर है और नक्सल ग्रस्त इलाकों में विकास व सुशासन का सूर्योदय हो रहा है।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि इन वर्षो में जनता की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हुई। नगर से लेकर गाँव-गाँव तक समृद्धि और खुशहाली पक्के सड़कों के माध्यम से पहुँच रही है। 400 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की स्वीकृति से आज गाँव-गाँव,घर-घर तक पक्की सड़कें, स्वच्छ पेयजल, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, सौन्दर्यीकरण, तालाबों का उन्नयन, चौक-चौराहों का उन्नयन, खेल मैदान एवं उद्यान, पुल-पुलिया का निर्माण, आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में पक्के आवास और सड़कें, बिजली एवं पेयजल की आपूर्ति स्कूलों उन्नयन, नाली निर्माण , महाविद्यालय की स्थापना, इंदौरी एवं पांडा तराई नगर पंचायत के विकास हेतु स्वीकृति और जनता की सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है।

भावना दीदी की गारंटी से पूरी हो रही जनता की बहुप्रतीक्षित मांगे- भावना दीदी की गारंटी में हमने पंडरिया विधानसभा में महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए 8 नि:शुल्क बसों का संचालन हो रहा है, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 8 नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा एवं मोबाइल हेल्थ पैथ लैब के संचालन से लगभग 40000 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिला है। लक्ष्य नि:शुल्क कोचिंग में 250 से अधिक बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क कोचिंग मिल रही है। रणवीरपुर एवं पांडातराई में उप तहसील कार्यालय की स्थापना, ग्रामीण क्षेत्रों व नगरों में सड़कों के निर्माण, जल एवं बिजली आपूर्ति, अधोसंरचना निर्माण, स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण एवं विभिन्न विकास कार्यों और जनता की सुविधाओं के विस्तार के लिए 400 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति मिली है जिसमें कई निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं कुछ प्रगति पर हैं। हमारे पंडरिया विधानसभा अंतर्गत आने वाले आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कुई-कुकदुर में भी पीएम जनमन योजना के तहत 3342 आवास को स्वीकृति दी गई है। पंडरिया विधानसभा के भी 14088 आवासों को स्वीकृति मिली। इसके साथ ही पंडरिया विधानसभा में विधायक निधि के तहत सामुदायिक भवन, यात्री प्रतीक्षालय,सीसी रोड, जैसे अधोसंरचना विकास के कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तय समय सीमा में पूरे हो रहे हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में सड़कों के विस्तारीकरण हेतु पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 22 सड़कों को डामरीकृत करने हेतु 58 करोड़ से अधिक की राशि केंद्र सरकार द्वारा पंडरिया विधानसभा को दी गई है।

संक्षिप्त-खबर

राष्ट्रीय राजमार्ग 53 टेका के पास भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

पिथौरा(समय दर्शन)। बीते दिन देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर ग्राम टेका के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार अनित यादव (22) पिता नंदा यादव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में साथ में बैठे हर्ष ठाकुर (16) पिता खेमराज ठाकुर और रोहित ठाकुर (18) पिता राजू ठाकुर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। परिजनों ने बताया कि तीनों युवक ग्राम कौड़िया के निवासी हैं और ग्राम टेका के साप्ताहिक बाज़ार में सब्ज़ी लेने जा रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई, जिससे यह दुखद दुर्घटना हुई। ग्राम टेका के ग्रामीणों का कहना है कि इसी स्थान पर इससे पहले भी चार सड़क दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक सुरक्षा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस दुर्घटनाग्रस्त स्थल पर चेतावनी संकेतक और अन्य सुरक्षा उपाय तत्काल लगाए जाएँ, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

महिला क्रिकेट टीम की फिज़ियो आकांक्षा का राजभवन में सम्मान

रायपुर(समय दर्शन)। सतनामी समाज की गौरव ,भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिज़ियो आकांक्षा सत्यवंशी एक समर्पित खेल स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस, चोट प्रबंधन और रिकवरी में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। मेहनत, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के साथ वे टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर सहयोग देती हैं, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अहम हिस्सा छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यावंशी के इस सराहनीय कार्य के लिए महामहिम राज्यपाल रमेन डेका जी ने राजभवन में सम्मानित कर, उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिए।

जमीन की बढ़ी सरकारी गाइडलाइन दरों के विरोध में मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। प्रदेश में जमीन की गाइडलाइन/सरकारी मूल्य में हुई भारी वृद्धि के विरोध की लहर लगातार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में राजनांदगांव के आमजनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके अंबागढ़ चौकी प्रवास के दौरान मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया और वृद्धि को वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और कहा कि बढ़े हुए सरकारी मूल्य गाइडलाइन दरों के मुद्दे पर जल्द ही चर्चा कर ठोस निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर 2025 को जारी नई जमीन गाइडलाइन दरों के बाद पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। बिलासपुर, रायपुर, धमतरी, दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव सहित सभी जिलों में लोग बढ़ी हुई दरों के खिलाफसड़कों पर उतर रहे हैं। नई गाइडलाइन लागू होने पर कृषि भूमि, आवासीय प्लॉट, मकान सहित व्यवसायिक जमीन के पंजीयन और रजिस्ट्री खर्च में भारी बढ़ोत्तरी होगी, जिससे आम जनता पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। इसी मुद्दे को लेकर राजनांदगांव के जय स्तंभ चौक में लगातार तीसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। शहरवासियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया और सरकार से गाइडलाइन दरों में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग दोहराई।

मदरसा बोर्ड द्वारा आयोजित अवसर परीक्षा 9 दिसम्बर से

रायपुर । छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा द्वितीय एवं चतुर्थ अवसर परीक्षा दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ होगी तथा दिनांक 17 दिसम्बर 2025 तक जारी रहेगी। परीक्षा का समय 11:00 बजे से 2:00 बजे तक निर्धारित है। अवसर परीक्षा हेतु उर्दू कन्या उ. मा. शा. रायपुर, शा. बा. उ. मा. वि. सिमगा, शा. उ. मा. वि. महावीरगंज, शा. बहु. उ. मा. वि. पेण्ड्रा , शा. आ. रामानुज उ.मा.वि.बैकुण्ठपुर, स्वामी आत्मानंद शा. इंग्लिश मीडियम स्कूल फरीद नगर कोहका भिलाई एवं नेशनल कॉन्वेंट हा. से. स्कूल भारतीय नगर बिलासपुर परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं।

हाई स्कूल रसोड़ा में नव नियुक्त प्राचार्य का हुआ भव्य स्वागत

बसना(समय दर्शन)। बसना विकास खण्ड के अन्तर्गत शासकीय हाई स्कूल रसोड़ा में पदोन्नत प्राचार्य आनंद कुमार दास का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह हाई स्कूल, पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय रसोड़ा के समस्त शिक्षक- शिक्षिकाओं तथा छात्र- छात्राओं द्वारा किया गया।

बीते 3 दिसंबर को नव नियुक्त प्राचार्य आनंद कुमार दास के विद्यालय आने पर मुख्य द्वार से दोनों ओर पंक्तियों में खड़े विद्यार्थियों ने पुष्प वर्षा कर प्राचार्य श्री दास को हाई स्कूल के मुख्य द्वार तक लाया गया। जहां रंगोली और कलश दिया जला कर , आरती उतार कर , स्वागत कक्ष तक ले जाया गया। स्वागत कक्ष में प्राचार्य आनंद कुमार दास का ग्राम पंचायत रसोड़ा के सरपंच राकेश भोई, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जगदीश साहू, प्रफुल्ल पाईक, समन्वय संतराम बंजारा, व्याख्याता नम्रता कुलदीप, सुमन वर्मा, विभा नाग, श्वेता त्रिपाठी, कशिश सेठ, प्रभारी प्रधान पाठक बसन्त कुमार, शिक्षक रविन्द्र राणा, किरण भोई, वीणा प्रधान, मनीषा प्रधान, कन्हाई भोई ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। तत्पश्चात कु आरती के द्वारा सरपंच राकेश भोई का एवं छात्र मनीष नायक द्वारा समिति अध्यक्ष जगदीश साहू एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। शिक्षक रविन्द्र राणा द्वारा प्राचार्य श्री दास को श्रीफल एवं उपहार भेंट किया गया।

स्वागत एवं सम्मान समारोह को रसोड़ा सरपंच राकेश भोई, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जगदीश साहू एवं व्याख्याता नम्रता कुलदीप ने सारगर्भित सम्बोधित किया। नव नियुक्त प्राचार्य आनंद कुमार दास ने कहा कि जिस दिन से यहां रसोड़ा में हाई स्कूल खुला है,तब से मैं यहां व्याख्याता पद पर रहा। तथा प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहा हूं।और आज मैं रसोड़ा हाई स्कूल में पूर्ण रूप से प्राचार्य के पद पर पदस्थ हुआ हूं। शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी का सहयोग पूर्व की तरह मिलता रहेगा। ताकि हम सभी बच्चों के भविष्य को संवारने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रविन्द्र राणा ने किया।

भंवरपुर, गढ़फुलझर एवं पिरदा धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बसना विकासखण्ड अंतर्गत भंवरपुर, गढ़फुलझर एवं पिथौरा अंतर्गत पिरदा के धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता, टोकन व्यवस्था, तौल प्रक्रिया और कृषकों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि साहू, बसना एसडीएम हरिशंकर पैकरा, पिथौरा एसडीएम बजरंग वर्मा, खाद्य अधिकारी अजय यादव मौजूद थे।

उपार्जन केन्द्रों में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देशित किया कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न कराएं तथा सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैय्या कराएं।

इस दौरान उन्होंने धान तौलाई का जायजा लेते हुए कहा कि तौल मशीनें पूर्ण रूप से सुचारू रहें और किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे। गुणवत्ता परीक्षण पारदर्शी और नियमानुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि बारदाना की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को कोई असुविधा न हो। केंद्र परिसर में स्वच्छता, पीने के पानी और छाया की सुविधा व्यवस्थित हों। उन्होंने ऑनलाइन पंजीयन सूची एवं टोकन व्यवस्था की समीक्षा की तथा खरीदी डेटा को समय पर पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने पहुंचे किसानों से उपार्जन व्यवस्था के संबंध में उनके सुझाव और समस्याएं भी सुनी तथा त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने केंद्र प्रभारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप धान खरीदी व्यवस्था को पूरी पारदर्शिता, गति और सुचारूता के साथ संचालित करें।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर कांग्रेसजनों ने उन्हें नमन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश और शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के मार्गदर्शन में दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसकी अगुवाई दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. प्रसाद के तैलचित्र पर माल्यार्पण से हुई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सूर्यकांत जैन ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद न सिर्फदेश के प्रथम राष्ट्रपति रहे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी भी थे। उन्होंने 26 जनवरी 1950 से 13 मई 1962 तक राष्ट्रपति पद का दायित्व निभाया। आजादी के पूर्व उन्होंने कृषि एवं खाद्य मंत्री के रूप में भी सेवाएं दीं। चंपारण आंदोलन, असहयोग, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में वे अग्रिम पंक्ति में रहे और 1947 में उन्हें तीन वर्ष जेल भी रहना पड़ा। उनकी सादगी और कर्तव्यनिष्ठा देश के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी मामराज अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं के आदर्शों और संघर्ष को हमेशा स्मरण रखती है और उन्हीं मूल्यों पर आगे बढ़ती है। आभार प्रदर्शन दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष प्रकाश बाफना ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश जोशी, अशोक पंजवानी, भरत सोनी, प्रकाश चंद बाफना, राजेश चौहान, शरद जैन, नारायण सोनी, विनोद यादव, भारत भूषण शर्मा, मोहसिन कुरैशी, विष्णु सिन्हा, मोहन चुनूरकर समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक करिया ध्रुवा मेला का भव्य आगज

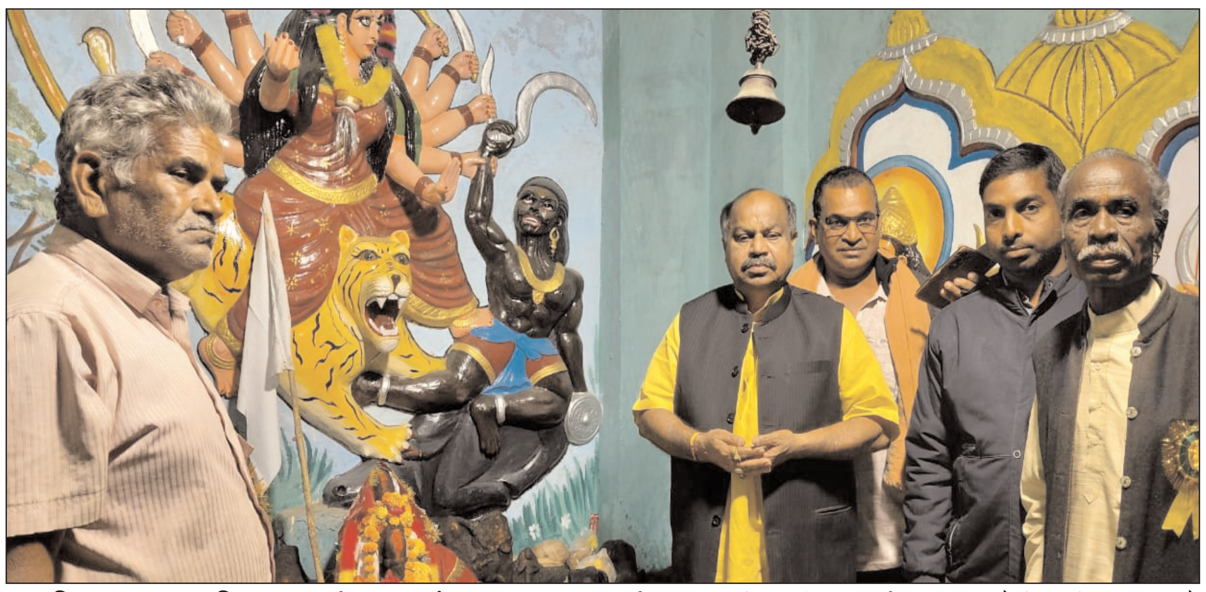

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने प्रथम दिन पूजा अर्चना कर क्षेत्र के लिए खुशिहाली की कामना

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा अंचल की लोक आस्था और संस्कृति के प्रतीक, प्रसिद्ध करिया ध्रुवा और भगवती करिया धुरवाईन का ऐतिहासिक तीन दिवसीय मेला आज, 3 दिसम्बर से पिथौरा के समीप स्थित ग्राम अर्जुनी में पूरी श्रद्धा और धूमधाम के साथ प्रारंभ हो गया है।

पहले ही दिन उत्तर रायपुर के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने पूजा कर क्षेत्र की खुशिहाली की कामना की । महासमुंद जिले के पिथौरा तहसील मुख्यालय से राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस पावन धाम में प्रतिवर्ष अगहन पूर्णिमा से यह मेला शुरू होता है, जो क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के लिए उत्साह का केंद्र होता है। इस प्राचीन और भव्य उत्सव को लेकर आस-पास के ग्रामीणों और भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है।

मुख्य संरक्षक पुरन्दर मिश्रा ने की पूजा-अर्चना- मेला के प्रथम दिन, करिया ध्रुवा महोत्सव मेला समिति के मुख्य आजीवन संरक्षक तथा रायपुर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने भगवान करिया ध्रुवा और भगवती करिया धुरवाईन के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर, मंदिर समिति और क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिनमें अनंत सिंह वर्मा, अधिवक्ता टिकेंद्र प्रधान, सादराम पटेल, प्रदीप पटेल, मुकेश पटेल, प्रियांशु दीक्षित, पूरन बरिहा, गणेश ध्रुव, तथा विष्णु डड़सेना प्रमुख रूप से शामिल थे।

आदिवासी परंपरा और गहरी आस्था- करिया ध्रुवा मंदिर का महत्व इस क्षेत्र में अत्यंत गहरा है, जिसे कई दशकों से मनाया जा रहा है। यहां के स्थानीय बैगा द्वारा प्रतिदिन सुबह और शाम आदिवासी प्रथा एवं परम्परा के अनुसार देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। मान्यता है कि करिया ध्रुवा और धुरवाईन की पूजा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, यही कारण है कि दूर-दराज से श्रद्धालु अपनी मन्नतें लेकर यहां पहुंचते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम- मेला के दौरान तीनों दिन भक्तों की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। मेले में दिनभर खरीददारी और मनोरंजन के अलावा, प्रतिदिन रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिससे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ गयी । विगत वर्षों की तरह इस बार भी प्रतिष्ठित लोक कला मंच और अन्य सांस्कृतिक मंडलियां अपनी विशेष प्रस्तुतियां देंगी।

कौशल विकास व फैशन टेक्नोलॉजी की बारीकियों से रूबरू हुई छात्राएं

राजनांदगांव। शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की गृह विज्ञान विभाग की छात्राएँ पाठ्यक्रमानुसार शैक्षणिक भ्रमण पर एटीडीसी रायपुर पहुँचीं। प्राचार्य डॉ. जयसिंह साहू की अनुमति से आयोजित इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष श्रीमती ममता आर. देव, डॉ. अर्चना खरे और रिया तिवारी भी शामिल रहीं।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने एटीडीसी में आधुनिक गारमेंट टेक्नोलॉजी, पैटर्न मेकिंग लैब, सिलाई-फिनिशिंग यूनिट तथा इंडस्ट्रियल और एम्ब्रॉयडरी मशीनों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने फैशन डिजाइनिंग कोर्स के बाद उपलब्ध करियर विकल्पों फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट, टेक्सटाइल/गारमेंट मर्चेंडाइजर, पैटर्न मेकर, सैंपल डेवलपर, बुटीक एवं उद्यमिता और फैशन इलस्ट्रेटर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं ने उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली समझी और आधुनिक तकनीकों का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया। शिक्षकों का कहना है कि ऐसे उद्योग-संपर्क कार्यक्रम छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें रोजगार व उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर देते हैं।

विभागाध्यक्ष श्रीमती ममता आर. देव ने एटीडीसी रायपुर की विशेषज्ञ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा दी गई जानकारी छात्राओं के करियर निर्माण में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय भविष्य में भी इसी तरह के कौशल आधारित शैक्षणिक एवं उद्योग संपर्क कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025 विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता में बसना ब्लॉक की बड़ी उपलब्धि

बसना(समय दर्शन)। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025 के तहत आयोजित विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन महासमुंद में उत्साह और प्रतिस्पर्धा के बीच सम्पन्न हुआ। जिले के सभी ब्लॉकों ने अपनी सर्वोत्तम क्षमता के साथ सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें बसना ब्लॉक ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल कर महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की।

बसना ब्लॉक की टीम का नेतृत्व शासकीय उच्च प्राथमिक शाला कुदारीबाहरा के छात्र जोशन मांझी ने किया। उनके साथ टीम में कुमोलिनी निषाद शामिल रहीं। दोनों प्रतिभागी कटेल गांव से हैं, जिस कारण पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है।

ग्रुप लीडर जोशन मांझी ने अपनी उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता, त्वरित सोच, तथा विज्ञान-गणित विषयों पर मजबूत पकड़ का शानदार प्रदर्शन किया। टीम वर्क और लगातार अभ्यास ने उन्हें यह मुकाम दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे ब्लॉक व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

विद्यालय परिवार ने इस सफलता पर दोनों बच्चों को हार्दिक बधाई दी। शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन एवं समर्पित प्रयासों ने भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेष रूप से नाग सर और कोच पी. मांझी का प्रशिक्षण बच्चों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हुआ।

इसके अलावा शाला परिवार:-प्रधान पाठक पदमिनी ठाकुर, शिक्षक बृजलाल यादव, खीरसागर साव, वीर सिंह नाग तथा प्राइमरी स्कूल के प्रधान पाठक महेश बाघ सर और लोकनाथ साव सर:-का निरंतर प्रोत्साहन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक रहा। नवोदय के लिए जारी विशेष कोचिंग एवं विद्यालय के दो बच्चों का चयन प्रयास विद्यालय में गुणवत्ता आधारित शिक्षा व्यवस्था का प्रमाण है। प्रतिभागियों के अभिभावकों ने भी बच्चों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों में उल्लेखनीय सफलता शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्रगति का प्रतीक है।इससे पूर्व भी विद्यालय ने संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में जोशन मांझी का शानदार प्रदर्शन कर अपना नाम रोशन किया था। यह उपलब्धि बसना ब्लॉक के शैक्षणिक विकास की एक और सशक्त मिसाल प्रस्तुत करती है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26